सुबह सवेरे

A Daily News Magazine
भोपाल
मंगलवार, 30 जुलाई, 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 323 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

वो टैटू जिसने मनु भाकर को मेडल जीतने के लिए प्रेरित किया

सौरभ दुग्गल

टोक्यो ओलंपिक 2020 के दौरान ख़राब प्रदर्शन से जूझने वाली भारतीय शूटर मनु भाकर ने खुद को प्रेरित रखने के लिए अपनी गर्दन के पीछे 'स्टिल आई राईज़' का टैटू गुदवा रखा है।

और 2024 में वो पेरिस ओलंपिक में खेल रही थीं और पोडियम में थीं। पेरिस ओलंपिक में मेडल जीतने वाली भारत की पहली महिला शूटर बनकर मनु भाकर ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता और इसके साथ ही उन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत के लिए पदक का खाता भी खोला।

कई वर्ल्ड कप की विजेता रहीं मनु भाकर को 'स्टिल आई राईज' टैटू बनवाने की प्रेरणा कवियित्री और मानवाधिकार कार्यकर्ता माया एंजेलो की कविता से मिली, जिसका शीर्षक भी यही है। यह मशहूर कविता लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत रही है। मुश्किलों और हताशा के समय में यह लोगों को फिर से उठ खड़ा होने के लिए प्रेरणा देती है। भारत की ओलंपियन शूटर मनु भाकर ने इस कविता से प्रेरणा ली है और अब वो ओलंपिक मेडल की विजेता हैं।

साल 2023 में बीबीसी पंजाबी के खेल मामलों के सहयोगी पत्रकार सौरभ दुग्गल ने चंडीगढ़ में एक निजी कार्यक्रम के दौरान भारतीय शूटर मनु भाकर से मुलाक़ात की थी। इस दौरान मनु ने उनसे माया एंजेलो की कविता के शीर्षक से लिए गए 'स्टिल आई राईज' टैटू और टोक्यो ओलंपिक के दौरान अपने निराशाजनक प्रदर्शन के बारे में बात की थी। पेरिस ओलंपिक में 25 मीटर शूटिंग और 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड में भी हिस्सा लेने जा रहीं मनु भाकर ने उस दौरान कहा था, 'सफलता और असफलता एक खिलाड़ी की ज़िंदगी का अहम हिस्सा होते हैं। लेकिन सबसे अहम बात ये है कि कॅरियर में आ रहे उतार-चढ़ाव से हम कैसे निपटते हैं और दोबारा उठ खड़ा होने के लिए खुद को कैसे तैयार करते हैं।' मनु पिछले साल आर्यन मान फ़ाउंडेशन के एक कार्यक्रम के लिए चंडीगढ़ आई थीं। इसी कार्यक्रम में उनसे मेरी मुलाक़ात हुई थी।

अपने टैटू के बारे में उन्होंने कहा था, 'स्टिल आई राईज़ - केवल शब्द नहीं हैं, बल्कि यह एक फ़ेनोमिना है अपने मुश्किल दौर में खुद को साबित करने का।' 'ये शब्द मेरे लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। ये मेरे दृढ़ निश्चय को और बढ़ाते हैं, चाहे जितनी असफलता मिले, मुझे भरोसा है कि मैं फिर से उठ खड़ी होऊंगी।'

16 साल की उम्र में ही मनु भाकर कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय खिलाड़ी बन गई थीं। साल 2018 में गोल्ड कोस्ट गेम्स में उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता था।

एक टीनेज शूटिंग स्टार के रूप में हरियाणा की इस शूटर ने 2020 के टोक्यो ओलंपिक (कोविड की वजह से इसे 2021 में आयोजित किया गया था) से पहले वर्ल्ड कप खेलों में नौ स्वर्ण और दो रजत पदक जीते थे। वर्ल्ड कप के प्रदर्शन को देखते हुए मनु भाकर को टोक्यो ओलंपिक में मेडल का मज़बूत दावेदार माना जा रहा था, लेकिन अपने पसंदीदा 10 मीटर एयर पिस्टल एकल प्रतियोगिता में वो उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सकीं। मिश्रित टीम प्रतियोगिता में भी वो कामयाब नहीं हुई और 25 मीटर पिस्टल प्रतियोगिता के फ़ाइनल में भी नहीं पहुंच पाईं।

ओलंपिक के बाद मनु मुश्किल दौर से गुजरीं और टोक्यो खेलों में निराशाजनक प्रदर्शन के लिए उन्हें आलोचना भी झेलनी पड़ी। इसके बाद उन्होंने नेशनल स्क्वाड से भी अपना स्थान गंवा दिया। टोक्यो ओलंपिक से पहले मनु भाकर ने 11 वर्ल्ड कप मेडल जीते थे। लेकिन इन खेलों के बाद वो अपने पुराने फ़ॉर्म में आने के लिए जूझ रही थीं।

इसी साल उन्होंने वर्ल्ड कप में 25 मीटर पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता और टीम कैटेगरी में वर्ल्ड चैंपियनशिप (2022, 23) में दो मेडल जीते थे। अपने मौजूदा खेल करियर में उतार-चढ़ाव पर अपने अनुभव साझा करते हुए मनु ने कहा था, 'जब आप गिरावट के दौर में होते हैं तो बस एक ही बात रहती है कि आप कभी भी हार न मानें और बड़ी सफलता हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करना जारी रखें।'

मेडल जीतने के बाद मनु भाकर ने ट्वीट किया, 'यह सपना सच होने जैसा है, न सिर्फ मेरे लिए बल्कि उन सभी के लिए जिन्होंने मेरा समर्थन किया।' रविवार को पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने के बाद, अब पेरिस में उनकी नज़र 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल प्रतियोगिता और 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड प्रतियोगिता पर होगी। बीते साल मनु ने कहा था, 'टोक्यो में जो कुछ हुआ उससे उबरने में मुझे मुश्किलों का सामना करना पड़ा। लेकिन मुझे भरोसा था कि मैं ज़रूर वापसी करूंगी, मैं फिर से खड़ी होऊंगी।'

'मैं 'स्टिल आई राईज़' शब्द से खुद को जोड़ सकती हूं और मेरे शूटिंग करियर का यह मर्म भी है। 'स्टिल आई राईज़' मेरे लिए प्रेरणादायक है, इसलिए मैंने इसका टैटू बनवाने का निर्णय लिया।' मनु भाकर ने कहा, 'मैं इसे गुदवाने की योजना कुछ समय से बना रही थी, लेकिन यह पर्मानेंट टैटू है, इसलिए मुझे कई बार सोचना पड़ा कि मैं इसे कहां गुदवाना चाहती हूं।'

उन्होंने कहा, 'मैं शरीर के ऐसे हिस्से पर टैटू नहीं बनवाना चाहती थी, जहां वो स्पष्ट दिखे। समय के साथ इसे लगातार देखते हुए मैं इससे ऊब सकती थी, इसलिए मैंने सोचा कि इसे गर्दन पर पीछे की ओर बनवाया जाए।'

'पिछले साल ही दिसंबर में मैंने यह टैटू बनवाया था। और मैं यही कहूंगी कि टोक्यो मेरे लिए अतीत है और मैं अभी भी आगे बढ़ रही हूं।'

(बीबीसी हिन्दी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

घर-खेत सब डूबे

'पानी-पानी' हुआ आधा देश

● एमपी में उफान पर नदियां, हर ओर तबाही का मंजर ● यूपी में बेतवा और एमपी में नर्मदा ने दिखाया रौद्र रूप

हिमाचल में 80 सड़कें बंद, घरों में घुसा बाढ़ का पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के कई जिलों में रविवार देर रात तेज बारिश हुई। इसके बाद कई जगहों पर लैंडस्लाइड हुई। चंडीगढ़-शिमला नेशनल हाईवे-5 पर पहाड़ दरकने से 1 शख्स की मौत हो गई। वहीं, 3 लोग घायल हो गए। राज्य में अलग-अलग जगह लैंडस्लाइड के कारण फिलहाल 80 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। इसके अलावा किन्नौर जिले में बादल भी फटा है। इससे इलाके में तेज बारिश हो रही है। लोगों के घरों में पानी घुस आया है।

उधर उत्तर प्रदेश के ललितपुर में बारिश से बाढ़ जैसे हालत हैं। राजघाट बांध के 8 और माताटीला बांध के 20 गेट खोले गए हैं। इसके चलते बेतवा नदी उफान पर आ गई। नदी किनारे बसे गांवों में अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, मध्य प्रदेश में भी तेज बारिश का दौर जारी है। प्रदेश में अब तक सामान्य से 7 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। यहां नर्मदा नदी उफान पर हैं।

कोलार, बरगी, सतपुड़ा समेत कई डैम के गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। भारतीय मौसम विभाग ने सोमवार को 15 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मध्यप्रदेश में अब तक सामान्य से 7 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। नर्मदा और दूसरी नदियां उफान पर हैं। कोलार, बरगी, सतपुड़ा समेत कई डैम के गेट खोलकर पानी छोड़ना पड़ा है। भोपाल में सोमवार सुबह से धुंध के साथ हल्की बारिश हो रही है। सोमवार को जबलपुर समेत 8 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है। राजस्थान में अगले दो-तीन दिन मानसून सक्रिय रहेगा।

मुस्कुराते, अभिवादन करते, पैर छूते विधायक...

विधानसभा में नजर आया सीएम योगी का 'दम'

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र शुरू हो गया है। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले जब सदन में मुख्यमंत्री पहुंचे तो अलग ही नजारा देखने को मिला। पिछले दिनों भारतीय जनता पार्टी में संगठन बनाम सरकार की जो चर्चा चल रही थी, उसके उलट विधायक मुख्यमंत्री के आसपास दिखने की कोशिश करते दिखे। सीएम योगी जैसे ही पहुंचे, तमाम नेता और मंत्री उनके पास पहुंचकर अभिवादन करते दिखे।

● यूपी विधानसभा के मॉनसून सत्र की हुई हंगामेदार शुरुआत

● लोकसभा चुनाव के बाद विस में दिखा अलग नजारा

कांग्रेस नेता आरिफ अकील का निधन

हमेशा हवाई चप्पल पहनते थे पूर्व मंत्री, मंच पर देखकर राहुल गांधी भी चौंके थे

भोपाल (नप्र)। सीनियर कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री आरिफ अकील का सोमवार सुबह भोपाल के निजी अस्पताल में निधन हो गया। उनके विधायक बेटे आतिफ अकील ने बताया कि उनको रविवार शाम को सीने में दर्द की शिकायत के बाद अपोलो सेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा था।

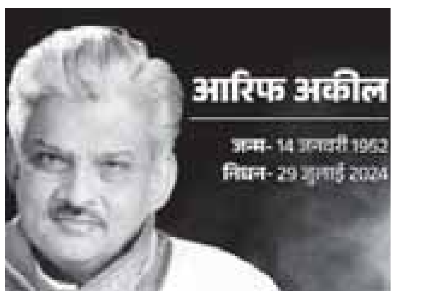

पूर्व मंत्री आरिफ अकील का जनाजा लक्ष्मी टॉकीज सराय से उठा है। बाल विहार रोड पर नमाज-ए-जनाजा अदा की गयी। इसके बाद बड़े बाग वाले कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

6 बार विधायक, दो बार मंत्री रहे- आरिफ अकील पहली बार 1990 में विधायक बने। इसके बाद 1998, 2003, 2008, 2013 और 2018 में भोपाल उत्तर सीट से विधायक चुने गए।

पिछले साल हुई थी हार्ट सर्जरी

साल 2023 की शुरुआत में आरिफ की तबीयत बिगड़ी थी। जांच में उनके हार्ट में ब्लॉकेज पाए गए थे। गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में उनकी सर्जरी हुई थी। सर्जरी के बाद उन्होंने चुनाव लड़ने से मना कर दिया था। बेटे आतिफ को पार्टी ने भोपाल उत्तर से उम्मीदवार बनाया तो वे जीप और व्हीलचेयर से वोट मांगने निकले थे।

आरिफ अकील को कहते हैं 'शेर-ए-भोपाल'

आरिफ अकील को 'शेर-ए-भोपाल' कहा जाता है। इसकी वजह है- दो दशक से हर कोशिश करने के बाद भी भाजपा उनका अभेद किला भोपाल उत्तर नहीं ढहा पाई। लोग कहते हैं, 'आरिफ भाई काम में भेदभाव नहीं करते थे। उनका मानना था कि जो मेरे पास आ गया, वो मेरा है।'

बाढ़ नियंत्रण कक्ष 24 घंटे कार्य करें, बांधों के गेट खुलने पर ग्रामीणों को करें सूचित : मुख्यमंत्री

प्रदेश में बेसमेंट में चल रहे कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण कर सुरक्षा सुनिश्चित करें

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निर्देश दिए हैं कि वर्षा काल में प्रदेश में कहीं भी जन हानि न हो, इसके लिए सभी कलेक्टर्स अपने नेतृत्व में जिलों में प्रशासनिक अमले को दायित्व सौंपे। बाढ़ नियंत्रण कक्ष 24 घंटे कार्य करे। संबंधित अमला चैतन्य रहे और घटना-दुर्घटना के पूर्व आम जनता को आगाह भी किया जाए। अतिवर्षा या बाढ़ की चुनौती से निपटने के लिए समन्वय में कोई कमी नहीं रहना चाहिए। लोगों की जीवन रक्षा के लिए कहीं सेना की जरूरत हो तो कलेक्टर्स समय पर बताएं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा है कि कल दिल्ली में ओल्ड राजेंद्र नगर में हुए एक हादसे में बेसमेंट क्षेत्र में पानी भरने से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन युवाओं की असामयिक मृत्यु दुखद और दर्दनाक है। इस घटना के प्रकाश में मध्यप्रदेश के बेसमेंट में संचालित कोचिंग केंद्रों के सर्वे के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में वर्षा की स्थिति और कुछ जिलों में बाढ़ की आशंका के संबंध में समीक्षा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अनेक जिलों के कलेक्टर्स-कमिश्नर्स से प्रदेश में अतिवर्षा की स्थिति में आवश्यक प्रबंधों के संबंध में चर्चा कर निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि लोक निर्माण विभाग ऐसे पुल-पुलियों की जानकारी संकलित कर, जहां दुर्घटनाएं पूर्व में हुई हैं, ऐसे रपटों और पुलों पर प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करे। पुलों पर पानी का भराव हो तो लोगों को न जाने दें। बांधों से पानी छोड़ें तो प्रभावित होने वाले जिलों को अलर्ट करें। तैराक दल भी ऐसे स्थानों पर उपलब्ध रहें। स्थानीय स्तर पर तालमेल रहे। जिलों और तहसीलों की परस्पर जानकारी रहे। अति वर्षा की स्थिति और बाढ़ की चुनौती से प्रशासन को निपटना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कोई जनहानि न हो, इसके लिए सजग रहें।

आवश्यक सेवाओं में बाधा न हो

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्षा के दिनों में पेयजल आपूर्ति में स्वच्छता का ध्यान रखें। आम जनता को जीवन की उपयोगी वस्तुएं बिना बाधा के मिलती रहें। आवश्यक सेवाओं को सुनिश्चित किया जाए। वर्षाकाल में उत्पन्न समस्याओं के कारण मवेशियों की मृत्यु भी हो जाती है। कहीं मृत मवेशी न रखे रहें, उनको उठवाने का कार्य समय पर किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन पुल-पुलियों अथवा रपटों पर जल बहाव तेज हो, वहां से नागरिकों को आवागमन न करने दिया जाए। उनकी जीवन रक्षा के लिए आवश्यक तैराक दल भी ऐसी जगह पर उपलब्ध रहना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्र का जिले और तहसील से संपर्क रहे। जहां दुर्घटना की या जल भराव ज्यादा होने के आशंका है, आवश्यक ध्यान रखा जाए।

सुप्रभात

जब भी पेड़ को देखती हूँ
आधा देखती हूँ
आधा तुम्हें देखने के लिए छोड़ती हूँ
हर जगह को
आधा खाली रखती हूँ
सिरहाने को भी
आधा छोड़ती हूँ तुम्हारे लिए
कभी भी
नदी को पूरा पार नहीं कर पाती
आधा पार
जो छोड़ती हूँ तुम्हारे लिए
कमल के पत्ते पर पानी काँपता है
चाँद काँपता है जैसे राहू के डर से
वसंत के डर से काँपता है जैसे पतझर
मैं काँपती हूँ आधेपन से
आधे चाँद से जल से भरे आधे लोटे से
काँपती हूँ तुम्हारे आधे प्यार से।

- नीलेश रघुवंशी

कुछ कीजिए हुजूर, नरक में जीने को हैं मजबूर

आईएएस कोचिंग हादसे पर छात्रों की सीजेआई चंद्रचूड़ से मार्मिक गुहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के एक आईएएस कोचिंग इन्स्टीट्यूट के बेसमेंट में तीन छात्रों की डूबकर मौत होने के बाद कुछ छात्रों ने देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर उनसे मामले में दखल देने की गुहार लगाई है। सीजेआई को लिखे पत्र में अविनाश दुबे नाम के एक छात्र ने आरोप लगाया है कि राजधानी में वे नरक सी जिंदगी जीने को मजबूर हैं। पत्र में कोचिंग संस्थान में छात्रों की मौत के मामले में भी शहर के अधिकारियों और अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई है। अविनाश दुबे ने सीजेआई को लिखी चिट्ठी में राजेंद्र नगर और मुखर्जी नगर जैसे क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की कमी को उजागर किया है। इन इलाकों में तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थी रहते हैं। यहां के निवासी अक्सर नगर निगम के अफसरों और कर्मचारियों की लापरवाही की वजह से जल निकासी जैसी बुनियादी सुविधा की कमी से रोज जूझते हैं और वहां बाढ़ जैसे हालात का सामना उन्हें रोजाना करना पड़ता है। दुबे ने अपने पत्र में मुख्य न्यायाधीश से मौलिक अधिकारों की सुरक्षा करने की करुणामयी गुहार लगाई है। राव आईएएस स्टडी सर्किल के स्वामित्व वाली एक इमारत के बेसमेंट में तीन छात्रों के डूबने की दुखद घटना का उल्लेख करते हुए दुबे ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि शहर के नियमों की अनदेखी कर बेसमेंट का इस्तेमाल पुस्तकालय के रूप में किया जा रहा था।

सुबह सवेरे
भोपाल ■ मंगलवार, 30 जुलाई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

सावधान!

हिंसा को लेकर जारी किए गए 30 से 40 फेक वीडियो

मणिपुर में सेना के खिलाफ हो रही साजिश

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल पीसी नायर ने आगाह किया है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर ऐसे कई सारे वीडियो सामने आए हैं, जिन्हें मणिपुर का बताया जा रहा है। इनमें जिस तरह की हिंसा दिखाई गई है, उसका उत्तर-पूर्व से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा, इस तरह के कई फर्जी वीडियो शेयर किए जा रहे हैं। मैंने ऐसे 30-40 वीडियो देखे हैं जिन्हें मणिपुर का बताया जा रहा है।

ये वीडियो या तो म्यांमार के हैं या फिर कहीं और के होंगे। कुछ वीडियो तो रोहिंग्या इलाके के हैं जिन्हें मणिपुर में हो रहे अत्याचार के तौर पर पेश किया जा रहा है। डीजी नायर ने कहा कि कुछ लोग अपने छिपे हुए एजेंडे को फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। यह दिखाने का प्रयास हो रहा है कि सुरक्षा बल यहां पर अत्याचार कर रहे हैं। ऐसे फर्जी वीडियोज का मकसद इलाके में तनाव पैदा करना है।

उन्होंने कहा कि वीडियो से छेड़छाड़ की जा रही है और सुरक्षा बलों को स्थानीय लोगों के खिलाफ काम करने वाला बताया जा रहा है। डीजी ने कहा कि वास्तविक घटनाओं के कुछ हिस्सों के क्लिप निकाले जा रहे हैं और उन्हें गलत कहानी के साथ फैलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की ओर से जो ऐक्शन लिए जा रहे हैं, उन्हें अलग प्रोपेगेंडा के साथ पेश किया जा रहा है।

ऐसे वीडियो को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत

असम राइफल्स के महानिदेशक ने कहा कि इस तरह के वीडियो को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत है। जब तक आप पूरा वीडियो न देख लें तब तक किसी नतीजे पर न पहुंचें। आपको इस तरह के वीडियो को लेकर हर एक फैक्ट जानना चाहिए। वहीं, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बीते दिनों राज्य में हिंसा को लेकर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा, राज्य में धीरे-धीरे शांति लौट रही है और हमें इसे बनाए रखने के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करना चाहिए। हमें हिंसा के कृत्यों की निंदा करनी चाहिए और उन्हें रोकने के लिए सक्रिय रूप से काम करना चाहिए। सिंह ने कांग्रेस के उन आरोपों का भी जवाब दिया जिनमें कहा गया कि केंद्रीय बजट में मणिपुर के लिए किसी सहायता का उल्लेख नहीं किया गया।

और बढ़ेंगी बवाली आईएएस पूजा खेडकर की मुश्किलें!

केंद्र की समिति ने सौंपी रिपोर्ट, जांच के घेरे में पूरा परिवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने विवादास्पद आईएएस पूजा खेरकर के खिलाफ सभी आरोपों की जांच के लिए एक सदस्यीय पैनल का गठन किया था। शनिवार को पैनल ने पूजा पर अपनी जांच रिपोर्ट कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) को सौंप दी। कुछ दिन पहले 2023 बैच की आईएएस ट्रेनी पूजा पर सत्ता के दुरुपयोग, फर्जी सर्टिफिकेट के जरिए आरक्षण का लाभ लेने जैसे कई आरोप लगे थे। उन सभी शिकायतों की जांच के लिए इस जांच कमेटी का गठन किया गया था। डीओपीटी के अतिरिक्त सचिव मनोज द्विवेदी जांच के प्रभारी थे। हालांकि, रिपोर्ट में क्या है ये अभी तक पता नहीं चल पाया है। फिलहाल संघ लोक सेवा आयोग यानी यूपीएससी पूजा के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने जा रहा है। उनकी ट्रेनिंग को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया गया है। यहां तक कि वह दोबारा कभी भी इस परीक्षा में नहीं बैठ पाएंगी। यूपीएससी पहले ही उनकी नियुक्ति रद्द करने के लिए सूचना जारी कर चुका है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, यूपीएससी ने पूजा के खिलाफ गलत जानकारी और फर्जी पहचान पत्र के जरिए आरक्षण का लाभ लेने की शिकायत दर्ज की है।

कनाडा में अब 'दिल्ली बनेगा खालिस्तान' के नारे

- 15 अगस्त करीब आते ही सक्रिय हुआ एसएफजे संगठन, विदेशी धरती पर कराया गया रेफरेंडम

अमृतसर (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस के नजदीक आते ही कनाडा में खालिस्तान के समर्थन में आवाजें उठने लगी हैं। अमेरिका से भारत में आतंक फैलाने वाले सिख फॉर जस्टिस के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कल कनाडा के कैलगरी में रेफरेंडम-2020 का आयोजन किया। जिसमें खालिस्तानी समर्थकों ने पहुंचकर भारत को तोड़ने के लिए वोट किया और किल इंडिया और दिल्ली बनेगा खालिस्तान के नारे भी लगाए। कनाडा में यह रेफरेंडम सरकारी बिल्डिंग म्युनिसिपल प्लाजा में हुआ। लेकिन इस दौरान कनाडा की अथॉरिटी ने मामले में दखल देने से इनकार कर दिया। कनाडाई मीडिया द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक स्थानीय मेयर गोंडेक ने कहा कि वह इस रेफरेंडम को एक वैध लोकतांत्रिक

अभ्यास के रूप में देखती हैं, जिसे मंजूरी देने या प्रतिबंधित करने का उनके कार्यालय को कोई अधिकार नहीं है। जनता कभी भी म्युनिसिपल प्लाजा में इकट्ठा हो सकती है। वे जो चाहें कर सकते हैं। कनाडा में हुए जनमत संग्रह में भी भारत विरोधी नारे लगे। यह पूरा आयोजन कनाडा पुलिस की निगरानी में हुआ लेकिन भारत विरोधी नारे नहीं रोके गए। यहां वोट डालने आए खालिस्तानी समर्थकों ने खुलेआम किल इंडिया और दिल्ली बनेगा खालिस्तान के नारे लगाए। सिख फॉर जस्टिस यानी एसएफजे सिखों के लिए अलग खालिस्तान की मांग करने वाला एक संगठन है। 2007 में अमेरिका में इसकी स्थापना की गई थी। गुरपतवंत सिंह पन्नू एसएफजे के संस्थापकों में से एक है। एसएफजे अपने अलगाववादी अभियान रेफरेंडम 2020 के तहत पंजाब को भारत से अलग कराने की बात करता है। एसएफजे ने अपने अगस्त 2018 में लंदन डिक्लेरेशन में भारत से अलग होने और पंजाब को एक अलग देश के रूप में फिर से स्थापित करने के सवाल पर दुनिया भर में जनमत कराने की घोषणा की थी।

खाना, ठिकाना और वाई-फाई

घाटी में आतंकियों को मिल रही है 'लोकल' मदद

- ज्यादा पैसे के लालच में स्थानीय लोग ही कर रहे सपोर्ट
- जवानों पर हमला कर आसपास ही छिप रहे आतंकवादी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में हालिया समय में आतंकी घटनाओं में इजाफा हुआ है। जिस तरह से आतंकवादी सेना के जवानों पर हमला कर रहे हैं और छिप जा रहे हैं, उससे एक पैटर्न बनने लगा है और लोकल सपोर्ट का शक गहराने लगा है। सेना के अफसरों का भी मानना है कि जिस तरह से हमले हो रहे हैं और उसके बाद आतंकवादी घने जंगलों में छिपने में सफल हो रहे हैं, वह बिना स्थानीय लोगों की मदद के संभव नहीं। हाल ही में जम्मू में कुछ लोगों को इसी सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इसको लेकर बयान जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि इन दोनों पर आतंकी गतिविधियों को समर्थन देने का आरोप है। इनमें से एक लायकात अली उर्फ पाऊ और दूसरा मूल राज उफ जेंजू है। यह दोनों कठुआ के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक अली और राज पीर पंजाल के इलाके के रहने वाले हैं। दोनों जहां पर रहते हैं वहां सेलफोन और

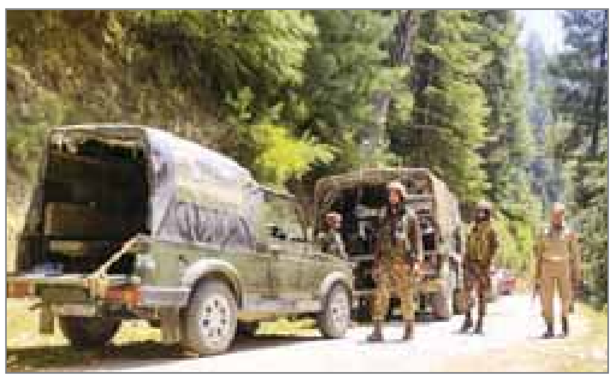

इंटरनेट सेवाएं ना के बराबर हैं। इनके गांव बडनोता रेंज के पास हैं जहां पर आठ जुलाई को 22 गढ़वाली राइफल के दो पैट्रोल टैंक्स पर हमला हुआ था। इसमें पांच जवान शहीद हो गए थे। जब यह टैंक माचेडी-किंडली-मल्हार रोड पर एक मोड़ से होते हुए गुजर रहे थे, तभी आतंकियों ने एक ऊंची जगह से हमला बोला था। यह इलाका माचेडी के जंगली इलाके में आता है। यहां के घने जंगल, पहाड़ी रास्ते और गुफाएं आतंकियों को छिपने के कई सुरक्षित विकल्प देती हैं। इस इलाके की सघनता कैसी है इसके बारे में सिर्फ इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि ड्रोन्स, हेलीकॉप्टर्स और मिलिट्री डॉग्स की मदद से लगातार चलाए जा रहे ऑपरेशंस के बावजूद अभी तक सेना आतंकियों पर पूरी तरह से काबू पाने में सफल नहीं हो पाई है। अली और राज से पहले पुलिस ने चार अन्य लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें शौकल अली भी था जो आतंकियों को पनाह देने के साथ खाना और वाई-फाई की सुविधा भी देता था। उसने यह सब 15 जुलाई को डोडा जिले के डेसा जंगल में हुए आतंकी हमले से पहले किया था। इस हमले में चार भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। इससे पहले भी 19 जून को जम्मू पुलिस ने 45 साल के हकम दी को गिरफ्तार किया था। आरोप है कि उसने नौ जून को रियासी जिले में श्रद्धालुओं को लेकर जा रही बस के ऊपर हमले में आतंकवादियों की मदद की थी। पुलिस के मुताबिक इसके बदले में उसे 6000 रुपए मिले थे।

चक्रव्यूह में देश को फंसाया गया इसका आकार 'कमल' के जैसा

लोकसभा में बजट पर बोले राहुल गांधी, बीजेपी और पीएम को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बजट पर चर्चा में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने काह कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण पर बजट में एक बार भी पेपर लीक को लेकर कुछ नहीं कहा। अग्निवीरों की पेंशन को लेकर भी बजट में कोई प्रावधान नहीं किया गया। राहुल गांधी ने कहा कि जैसे अभिमन्यु को चक्रव्यूह में फंसाकर मारा गया था वैसा ही अब भी हो रहा है। वही हिंदुस्तान के लोगों के साथ किया जा रहा है। चक्रव्यूह का एक और रूप होता है पद्मव्यूह जो लोटसव्यू में होता है जिसे मोदीजी अपने सीने पर लगाकर चलते हैं। इस व्यूह को मोदीजी, अमित शाहजी, मोहन भागवत जी, अजित डोभाल जी, अंबानीजी, अडानी जी कंट्रोल कर रहे हैं। ये 21वीं सदी में नया चक्रव्यूह रचा गया।

मुझे किसानों से नहीं मिलने दिया गया

राहुल गांधी ने सदन में एमएसपी पर लीगल गारंटी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि सदन में मुझे किसानों से नहीं मिलने दिया गया। राहुल गांधी ने पूछा कि बजट में सरकार ने किसानों के लिए क्या किया। किसान आपसे एमएसपी की लीगल गारंटी की मांग कर रहे हैं। आपने उनको बॉर्डर पर रोक रखा है, किसान मुझसे मिलने यहां आना चाहते थे। उन्हें आने से रोक दिया गया। इस पर ओम बिरला ने राहुल गांधी को टोकते हुए कहा कि आप उनसे मिले, इसमें सदन की एक मर्यादा का उल्लंघन हुआ।

धंधा बन गई है कोचिंग, अखबारों में छप रहे विज्ञापन तो देखिए

दिल्ली कोचिंग हादसे पर भड़के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के राव आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में हुए हादसे में मारे गए तीन छात्रों का मुद्दा आज देश की संसद में भी उठा। बीजेपी ने इस मुद्दे पर जहां आम आदमी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राज्यसभा में बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने आम आदमी पार्टी को घेरा तो उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अहम बात कही। उन्होंने कहा कि कोचिंग आज के समय में एक धंधा बन गई हैं, जिसके विज्ञापन रोज दिखते हैं। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कोचिंग आज एक तरह का धंधा बन गई हैं। हम अकसर अखबार पढ़ते हैं, तो शुरुआत के दो पन्नों में उनके ही विज्ञापन मिलते हैं। बता दें कि इससे पहले लोकसभा में नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज ने भी दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि आप सरकार की लापरवाही की वजह से इतना दर्दनाक हादसा हुआ। बता दें कि आज दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ओल्ड राजिंदर नगर स्थित आईएएस कोचिंग संस्थान पहुंचे, जहां 27 जुलाई को डूबने से 3 यूपीएससी उम्मीदवारों की मौत हो गई थी। इस दौरान प्रदर्शनकारी छात्रों ने उनसे मुलाकात की और अपनी चिंताएं जाहिर कीं।

बिहार में बढ़े हुए आरक्षण पर लगी रहेगी रोक

सुप्रीम कोर्ट का स्टे हटाने से इनकार, नीतिश सरकार को झटका

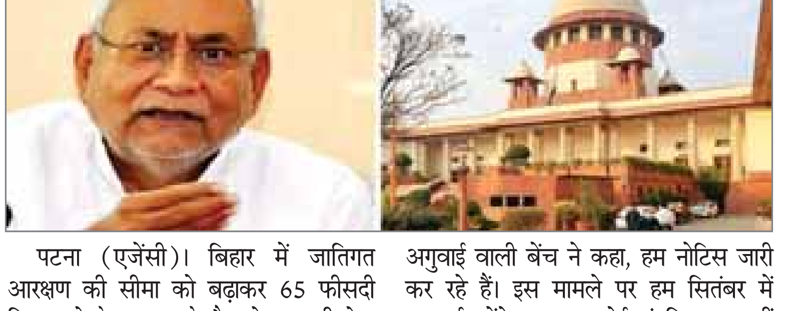

पटना (एजेंसी)। बिहार में जातिगत आरक्षण की सीमा को बढ़ाकर 65 फीसदी किए जाने के सरकार के फैसले पर लगी रोक को हटाने से सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल इनकार कर दिया है। नीतिश कुमार सरकार के इस फैसले पर पटना हाई कोर्ट ने रोक लगाई थी, जिसके खिलाफ राज्य ने शीर्ष अदालत का रुख किया था। अदालत ने बिहार सरकार की अर्जी पर सुनवाई को लेकर सहमति जरूर जताई है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने कहा, हम नोटिस जारी कर रहे हैं। इस मामले पर हम सितंबर में सुनवाई करेंगे। तब तक कोई अंतरिम राहत नहीं रहेगी। बिहार सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पक्ष रख रहे थे। उन्होंने शीर्ष अदालत में कहा कि इस मामले पर तत्काल कोई फैसला लिया जाए। ऐसा इसलिए क्योंकि सितंबर में बढ़ाए गए आरक्षण के तहत बहुत सी नौकरियां निकली थीं और उनमें इंटरव्यू की प्रक्रिया चल रही है।

बाबा रामदेव को अदालत से लगा नया झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। योगगुरु बाबा रामदेव को एक बार फिर अदालत से झटका लगा है। अब दिल्ली हाई कोर्ट ने बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को उस दावे को सोशल मीडिया से वापस लेने को कहा है जिसमें कोरोनिल को कोरोना का इलाज बताते हुए प्रमोट किया गया था। इसके साथ ही एलोपैथी के प्रभाव को लेकर कहीं गई बातों को भी वापस लेना होगा। कोर्ट ने उन्हें 3 दिन के भीतर ऐसा करने को कहा है। जस्टिस अनूप जयराम भंभानी की बेंच ने फैसला देते हुए कहा, मैं आवेदन को मंजूर कर रहा हूं। मैंने कुछ सामग्री, पोस्ट को हटाने को कहा है। मैंने बचाव पक्ष को तीन दिन के भीतर हटाने को कहा है, नहीं तो मैंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ऐसा करने का निर्देश दिया है। जस्टिस अनूप जयराम भंभानी ने पक्षकारों की दलीलें सुनने के बाद 21 मई को इस मुद्दे पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

48 वोट से चुनावी जीत के मामले में फंसे रवींद्र वायकर

- शिंदे गुट के सांसद को हाईकोर्ट से मिला समन, बढ़ेगी मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनडीए के एक सांसद की मामूली वोटों से हुई जीत उसके लिए मुसीबत बनी हुई है और ये कोई और नहीं बल्कि महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे के गुट की शिवसेना के सासंद रवींद्र वायकर हैं, जो कि महज 48 वोटों से लोकसभा चुनाव जीतकर देश की संसद पहुंचे हैं। उनके खिलाफ अब बॉम्बे हाईकोर्ट ने समन जारी किया है। वायकर को मुसीबत में डालने वाले उद्धव गुट की शिवसेना के नेता अमोल कीर्तिकार हैं, जिन्होंने कोर्ट में याचिका लगाकर वायकर की जीत को रद्द करने की मांग की है। बता दें कि लोकसभा चुनाव में शिंदे गुट की शिवसेना के रवींद्र वायकर ने मुंबई नॉर्थ वेस्ट सीट से महज 48 वोट से जीत दर्ज की थी।

सीएम कॉनक्लेव में हिमंता का प्रेजेंटेशन देख गदगद हुए मोदी

अफसरों से कहा-

- डिटेल लीजिए, असम में एक लाख नौकरियां देने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। इस सीएम कॉनक्लेव में केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए। इस दौरान असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की प्रेजेंटेशन देखकर पीएम मोदी काफी प्रभावित हुए। सीएम कॉनक्लेव में हिमंता को असम में एक लाख नौकरियां प्रदान करने के लिए उन्हें पीएम से तारीफ मिली।

जबलपुर में बरगी डैम के 7 गेट खुले

उज्जैन में शिप्रा के तट पर मंदिर डूबे; शाजापुर में घर-दुकानों में पानी भरा

संजय सागर बांध के दो गेट से पानी छोड़ा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में बारिश का दौर जारी है। भोपाल में सोमवार सुबह धुंध के साथ हल्की बारिश हुई। उज्जैन में शिप्रा नदी के तट पर मंदिर डूब गए हैं। शाजापुर में बाढ़ आ गई है, जिससे घर और दुकानों में पानी भर गया है।

जबलपुर में बरगी डैम का जलस्तर बढ़कर 418.55 मीटर पर पहुंच गया है। इसके 21 में से 7 गेट सोमवार दोपहर करीब 2:30 बजे खोल दिए गए। फुल टैंक लेवल 422.76 मीटर है। विदिशा में संजय सागर बांध के 2 गेट खोले गए हैं। बैतूल के सतपुड़ा डैम के 5 और पारस डोह डैम के 2 गेट से पानी छोड़ा जा रहा है।

बड़वानी के सेंधवा में सबसे बड़ा जलाशय ओवरफ्लो

बड़वानी जिले के सेंधवा ब्लॉक में सबसे बड़ा जलाशय रलावती तालाब रविवार रात भर बारिश के बाद लबालब भर गया। सोमवार दोपहर 1 बजे यह ओवरफ्लो हो गया। इसके बाद तालाब के वेस्ट वेयर से पानी बहने लगा हैं। नदी के जलस्तर बढ़ा है। प्रशासनिक अमले ने नीचे गांव और नदी किनारे के सभी गांव में मुनादी करा दी है।

8 से 10 फीट बढ़ेगा नर्मदा का जलस्तर

जबलपुर में बरगी डैम के गेट सीजन में पहली बार खोले गए। कुल सात गेट खोले जा रहे हैं। बरगी बांध प्रबंधन ने 24 घंटे पहले सूचना जारी करते हुए नर्मदा तट के आसपास रहने वाले लोगों को अलर्ट किया है। बांध के गेट खोले जाने से नर्मदा के जलस्तर में 8 से 10 फीट की बढ़ोतरी होगी।

जबलपुर के अलावा डिंडोरी, मंडला में लगातार हो रही बारिश के कारण के रानी अवंतिबाई लोधी सागर परियोजना बरगी बांध का जल स्तर तेजी से बढ़ रहा है।रविवार शाम 6 बजे डैम का जलस्तर 418.55 मीटर पहुंच गया है। बांध लगभग 65 प्रतिशत भर चुका है।31 जुलाई तक जलस्तर 418 मीटर निर्धारित स्तर से ऊपर है। इसलिए गेट खोले गए हैं। बरगी बांध का पूर्ण जलभराव स्तर 422.76 मीटर है।

उज्जैन में चंबल का पानी मंदिर तक पहुंचा

उज्जैन के नागदा में चंबल नदी के किनारे चामुण्डा माता मंदिर तक पानी पहुंच गया है। श्रद्धालु पुल से ही माता के दर्शन कर पा रहे हैं।

बैतूल में पारस डोह बांध के दो गेट खुले

बैतूल के मुलताई में पारस डोह बांध के दो गेट खोल दिए गए हैं। इससे ताप्ती के निचले क्षेत्र से लेकर बुरहानपुर तक असर पड़ रहा है।

विदिशा में संजय सागर बांध के 2 गेट खुले

विदिशा के शमशाबाद में लगातार बारिश के चलते संजय सागर बांध में जलस्तर बढ़ने लगा है। आज बांध के 2 गेट खोले गए हैं। प्रशासन ने निचली बस्तियों में अलर्ट जारी किया है।

खंडवा, नरसिंहपुर, बैतूल, खरगोन-बड़वानी में भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने खंडवा के ओंकारेश्वर, नरसिंहपुर, दक्षिणी बैतूल, खरगोन के महेश्वर और बड़वानी के बावनगजा में अगले कुछ घंटों में आकाशीय बिजली चमकने के साथ भारी बारिश का अनुमान जताया है। इसके अलावा मऊगंज, मंदसौर, धार के मांडू, हरदा, आगर-मालवा, राजगढ़ में मध्यम गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। रीवा, बुरहानपुर, नर्मदापुरम के पचमढ़ी, उमरिया, शहडोल, छतरपुर के खजुराहो, पन्ना, इंदौर, अलीराजपुर, झाबुआ, सागर में हल्की गरज के साथ बारिश हो सकती है।

प्रेमचंद के बहाने आज विद्यार्थी करेंगे वरिष्ठ लेखकों से संवाद

भोपाल। हमारे बचपन से नौजवानी तक जो किताबें हमें गढ़ रही होती हैं, उनमें मुंशी प्रेमचंद लगातार बने रहते हैं। हामिद, अलगू, होरी, जुम्मन, काकी जैसे कितने ही कथापात्र हमारे समाज के मनोविज्ञान में शामिल हैं। ऐसे ही साहित्य से संबद्ध जिज्ञासाओं और मुद्दों पर विद्यार्थियों/अध्येताओं के साथ प्रतिष्ठित लेखकों के संवाद का आयोजन क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (रीजनल कॉलेज) में 30 जुलाई शाम 4.30 बजे से किया जा रहा है।

मप्र हिंदी साहित्य सम्मेलन, भोपाल इकाई अध्यक्ष भवेश दिलशाद ने बताया कि 'प्रेमचंद : पीढ़ियों का संवाद' कार्यक्रम में वरिष्ठ कथाकार उर्मिला शिरीष मुख्य अतिथि एवं वरिष्ठ प्राध्यापक अर्जुमंद बानो अफ़्शां विशेष अतिथि के रूप में उपस्थिति रहेंगी। सम्मेलन की भोपाल इकाई एवं क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस आयोजन की अध्यक्षता क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के प्राचार्य जयदीप मंडल करेंगे जबकि बीज वक्तव्य चित्रा सिंह और स्वागत वक्तव्य सुरेश मकवाना प्रस्तुत करेंगे। संवाद सत्र का संचालन अरुणाभ सौरभ करेंगे जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थी सीधे लेखकों के साथ बातचीत कर सकेंगे।

मुंशी प्रेमचंद की जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित किये जाने वाले इस कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए भवेश दिलशाद ने बताया कि पाठ्यक्रम के परिप्रेक्ष्य और साहित्य के परिदृश्य के संबंध में विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं एवं प्रश्नों के समाधान के लिए यह आयोजन विशेष रूप से किया जा रहा है।

राजा भोज की रचनाओं पर आधारित व्याख्यान और अस्त्र-शस्त्रों की प्रदर्शनी आज

भोपाल (नप्र)। पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय भोपाल में 30 जुलाई को दोपहर 3 बजे ख्यातलब्ध इतिहासकार और पुराविद् पद्मश्री भगवती लाल पुरोहित द्वारा परमार शासक राजा भोज एवं उनकी रचनाओं एवं भृतहरि पर आधारित व्याख्यान होगा। इस अवसर पर डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर पुरातत्व शोध संस्थान भोपाल एवं अश्विनी शोध संस्थान उज्जैन के संयुक्त तत्वाधान में प्राचीन अस्त्र-शस्त्रों की प्रदर्शनी भी लगाई जायेगी।

इस प्रदर्शनी एवं व्याख्यान का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विश्वविद्यालयों के शोधार्थी विद्यार्थियों एवं विभागीय अधिकारी, कर्मचारियों को प्राचीन अस्त्र-शस्त्र विद्या तथा परमार शासक राजा भोज के व्यक्तित्व तथा उनकी रचनाओं की जानकारी से अवगत कराना है।

सड़क हादसे में होटल शेफ की मौत

बाइक के स्लिप होने से हुआ हादसा, पुलिस मामले की जांच में जुटी

भोपाल (नप्र)। कटारा हिल्स इलाके में बाइक स्लिप होने से होटल के शेफ की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

कटारा हिल्स थाने के अनुसार अभिषेक परमार (30) आकृति इको सिटी के निवासी थे। वह एक होटल में शेफ थे। 27 जुलाई की रात को अभिषेक होटल से अपनी ड्यूटी खत्म कर बाइक से घर वापस लौट रहे थे। रापड़िया जोड़ के पास उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

घटना की खबर लगते ही मौके पर पहुंची 108 एम्बुलेंस ने उन्हें एम्स में भर्ती कराया था। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

भोपाल के बड़ा तालाब में 1665.60 फीट पानी

अब सिर्फ 1.20 फीट खाली; तेज बारिश होते ही खुलेंगे भदभदा डैम के गेट

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बड़ा तालाब में पानी का लेवल 1665.60 फीट पहुंच गया है। अब यह सिर्फ 1.20 फीट ही खाली है। हालांकि, कैचमेंट एरिया में 2 से 3 घंटे तेज बारिश होने और कोलांस नदी के उफान पर रहने से भदभदा डैम के गेट सोमवार को भी खोले जा सकते हैं। पानी के लेवल पर हर पल नजर रखी जा रही है। भोपाल के पास कोलार डैम के 8 में से 2 गेट रविवार को ही खोले जा

चुके हैं। डैम से आज भी पानी छोड़ा जा रहा है। बड़ा तालाब का फुल टैंक लेवल 1666.80 फीट है। सोमवार सुबह जलस्तर 1665.60 पर पहुंच गया। ऐसे में आज या कल भदभदा डैम के गेट खोले जा सकते हैं। एमआईसी मेंबर रवींद्र यति ने बताया, 2 से 3 घंटे लगातार तेज बारिश होने पर भदभदा डैम के गेट खोले जाएंगे। इससे पहले आसपास के इलाकों में मुनादी भी कराई जाएगी।

भोपाल में 23 इंच से ज्यादा बारिश- भोपाल में अब तक 23 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है, जो अब तक की बारिश से 36 प्रतिशत ज्यादा है। यानी, सवा महीने में ही भोपाल में 60 प्रतिशत से ज्यादा बारिश हो चुकी है। भोपाल में कुल सामान्य बारिश 37.6 इंच है। रविवार को भी बारिश का दौर जारी रहा।

एक-दूसरे से जुड़े तालाब-डैम- कोलांस नदी का पानी बड़ा तालाब में पहुंचता है। जब तालाब फुल भर जाता है तो भदभदा डैम के गेट खोले जाते हैं। भदभदा डैम में डेढ़ फीट पानी और आते ही गेट खुल जाएंगे। इसके बाद कलियासोत डैम के गेट भी खुलेंगे। बता दें कि कोलांस, बड़ा तालाब, भदभदा और कलियासोत डैम एक-दूसरे से जुड़े हैं। यदि लगातार पानी गिरता है तो फुल टैंक लेवल पर आने से पहले ही भदभदा डैम के गेट खोले जा सकते हैं।

जुलाई कोटे के करीब पहुंचा आंकड़ा

पिछले 10 साल के आंकड़ों पर नजर दौड़ाए तो 10 साल में यह सबसे कम बारिश है। साल 2015 और 2022 में सबसे ज्यादा 33.6 इंच पानी गिरा था, जबकि 2020 में 6.1 इंच बारिश हुई थी। इस बार 14.2 इंच बारिश हो चुक है। जुलाई में भोपाल में एवरेज 14.4 इंच पानी गिरता है। अब हल्की तेज बारिश होते ही जुलाई का कोटा भी पूरा हो जाएगा।

स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर विजिट प्रोग्राम की शुरुआत होगी

भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम में पहुंचे खेल मंत्री सारंग; बोले- नई पीढ़ी को खेलों से जोड़ेंगे

भोपाल (नप्र)। खेल विभाग अब स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर विजिट प्रोग्राम की शुरुआत करेगा। खेल मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि नई पीढ़ी को खेलों से जोड़ने के लिए इस प्रोग्राम की शुरुआत की जा रही है। स्कूल और कॉलेज के बच्चों को स्टेडियम समेत खेल इंफ्रास्ट्रक्चर का भ्रमण कराएंगे।

खेल मंत्री सारंग सोमवार को भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम पहुंचे थे। यहां उन्होंने स्कूली बच्चों से बात की और उन्हें स्टेडियम दिखाया। मंत्री करीब एक घंटा स्टेडियम में रुके। उन्होंने विभाग के अधिकारियों से चर्चा की और संसाधनों के बारे में जाना।

सरकारी-प्राइवेट स्कूल और कॉलेजों को जोड़ेंगे- खेल मंत्री सारंग ने कहा कि प्रदेश में पहली बार सरकारी और प्राइवेट स्कूल के बच्चों को खेल इंफ्रास्ट्रक्चर का भ्रमण कराया जाएगा। ताकि, वे स्टेडियम समेत अन्य संस्थाओं से परिचित हो सके। बच्चों और युवाओं को खेलों से जोड़ने की पहल भी होगी। यहां उन्हें खेल संसाधनों से अवगत कराया जाएगा। खेल मैदान से जुड़े, इसीलिए बच्चों को स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर से परिचित करवाना जरूरी है। स्टेडियम विजिट से नई पीढ़ी खेलों के प्रति आकर्षित होगी।

विजयवर्गीय को गुलाब जामुन खिलाए इंदौर कांग्रेस जिलाध्यक्ष सस्पेंड

नाराज पार्टी हाईकमान ने पूछा- लोकतंत्र की हत्या करने वाले का स्वागत क्यों?

इंदौर (नप्र)। मध्यप्रदेश कांग्रेस ने इंदौर शहर अध्यक्ष सुरजीत चड्ढा और ग्रामीण अध्यक्ष सदाशिव यादव को सस्पेंड कर दिया। मामला 12 जुलाई को गांधी भवन कार्यालय में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय समेत भाजपा नेताओं के स्वागत और गुलाब जामुन खिलाने से जुड़ा है। सोमवार को कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि दोनों से 7 दिन में जवाब मांगा था। संतुष्टिजनक जवाब आने तक दोनों सस्पेंड रहेंगे।

बता दें, 7 से 14 जुलाई तक मंत्री विजयवर्गीय ने इंदौर शहर में 51 लाख पौधे रोपने की अपील की थी। इसमें सहयोग मांगने के लिए विजयवर्गीय कांग्रेस के गांधी भवन कार्यालय गए थे। यहां शहर अध्यक्ष सुरजीत चड्ढा और ग्रामीण अध्यक्ष

सदाशिव यादव के नेतृत्व में विजयवर्गीय का हार-फूल से स्वागत किया गया। समोसे और गुलाब जामुन का नाश्ता भी कराया गया। नाराज कांग्रेस हाईकमान ने कहा- दोनों ने गांधी भवन में ऐसे शख्स का स्वागत किया, जिसने लोकतंत्र की हत्या की है।

निलंबन के बाद शहर कांग्रेस अध्यक्ष रहे चड्ढा अचानक दिल्ली पहुंच गए। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली में हूं। रात को लौटकर इस मुद्दे पर अपनी बात रखूंगा। ग्रामीण अध्यक्ष सदाशिव यादव ने कुछ भी कहने से मना कर दिया है। सुरजीत चड्ढा ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और भाजपा नेताओं का स्वागत किया।

कांग्रेस में सूत की माला से स्वागत की परंपरा

कांग्रेस की गाइडलाइन के अनुसार, ऑफिस में सूत की माला से स्वागत किया जाना था। गांधीजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कराया जाना था, लेकिन कांग्रेस नेताओं ने इसकी अनदेखी कर दी थी। पार्टी के दूसरे खेमे ने हाईकमान को इसकी शिकायत कर दी। सोशल मीडिया पर पोस्ट भी की। मामला दिल्ली तक पहुंचा तो प्रदेश संगठन हरकत में आया।

कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रदेशाध्यक्ष अध्यक्ष मुकेश नायक ने बताया कि दोनों ने 28 जुलाई तक नोटिस का जवाब नहीं दिया, इसलिए संतोषप्रद जवाब मिलने तक निलंबित रहेंगे।

वन विभाग की बड़ी पहल: अब वन्य प्राणी विहीन सेंचुरी भी होंगी आबाद, मध्य प्रदेश वन्य प्राणियों के पुनर्वास में देश में अव्वल

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के टाइगर रिजर्व के बाद अब खाली सेंचुरी भी वन्य प्राणियों से गुलजार होंगी। दरअसल, जिन टाइगर रिजर्व में वन्य प्राणियों की संख्या ज्यादा है, वहां दबाव को कम करना है। प्रदेश में 9 सेंचुरी वन्य प्राणी विहीन हैं, जहां वन्य प्राणियों की शिफ्टिंग होनी है। मप्र देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है, जहां सफलतापूर्वक वन्य प्राणियों का न केवल पुनर्वास किया जा रहा है बल्कि लुप्त प्रजाति के वन्य प्राणियों को दूसरी जगह शिफ्ट करके उनके जीवन को भी संरक्षित किया जा रहा है।

लुप्तप्राय वन्य प्राणियों की संख्या को बढ़ाया- बारासिंघा विश्व की अति संकटग्रस्त प्रजाति में शामिल है। बारासिंघा की हार्ड ग्राउंड प्रजाति विश्व में सिर्फ कान्हा नेशनल पार्क में ही थी। इसे विलुप्त होने से बचाने के लिए कान्हा से बारासिंघा को ट्रांसलोकेट कर बांधवगढ़, सतपुड़ा और वन विहार शिफ्ट किया गया है। अब तक 115 बारासिंघा कान्हा से शिफ्ट किए जा चुके हैं। इनकी संख्या सतपुड़ा में बढ़ गई है।

सर्वाइवल के लिए जरूरी- विशेषज्ञों का कहना है कि मांसाहारी वन्य प्राणियों का सर्वाइवल शाकाहारी वन्य प्राणियों पर निर्भर करता है। इसीलिए वन विहार से 90 से अधिक चीतल व काला हिरण खिवनी सेंचुरी में शिफ्ट किए गए हैं।

कई सेंचुरी व टाइगर रिजर्व ऐसे हैं, जहां पर शाकाहारी वन्य प्राणी कम है। ऐसे में वन्य प्राणियों की अधिकता होने पर उन्हें दूसरी जगह शिफ्ट किए जाने का निर्णय लिया है।

- शुभरंजन सेन, कार्यवाहक पीसीसीएफ वन्य प्राणी

सबसे भारी शाकाहारी वन्य प्राणी की शिफ्टिंग सफल- अभी तक चिड़ियाघर से ही बायसन जैसे वन्य प्राणी शिफ्ट किए जाते थे। पहली बार प्रदेश में सतपुड़ा नेशनल पार्क से 15 और कान्हा टाइगर रिजर्व से 34 बायसन संजय डुबरी नेशनल पार्क में शिफ्ट किए जा चुके हैं। ये सेंचुरी वन्य प्राणी विहीन या संख्या कम : 6 चिडीखो सेंचुरी, नरसिंहगढ़ 6 सिंघोरी सेंचुरी, औबेदुल्लागंज 6 खिवनी सेंचुरी देवास 6 रालामंडल सेंचुरी इंदौर 6 बगदरा सेंचुरी सिंगरौली।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से सिख समाज के प्रतिनिधि मंडल ने की भेंट

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सलाहकार श्री गुरदीप सिंह भाटिया के नेतृत्व में सिख समाज के प्रतिनिधि मंडल ने मंत्रालय में भेंट कर शॉल, श्रीफल तथा पुष्प-गुच्छ से उनका अभिवादन किया। प्रतिनिधि मंडल ने ओंकारेश्वर में ऐतिहासिक गुरूद्वारा, सराय और लंगर हॉल आदि के निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इस अवसर पर सर्वश्री मन्नी सिंह भाटिया, त्रिलोचन सिंह और अमरजीत सिंह उपस्थित थे।

वीडी शर्मा ने राहुल गांधी को बुन्देलखंड पर घेरा

लोकसभा में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बोले- 2008 में राहुल जिस महिला के घर गए उसे छत मोदी सरकार में मिली

भोपाल (नप्र)। लोकसभा में आम बजट पर चर्चा के दौरान आज खजुराहो सांसद और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने राहुल गांधी को बुन्देलखंड के मुद्दे पर जमकर घेरा। लोकसभा में बजट पर चर्चा के दौरान वीडी शर्मा ने राहुल गांधी को घेरते हुए कहा- 2008 में जब केन्द्र में आपकी सरकार थी उस दौरान राहुल गांधी बुन्देलखंड क्षेत्र के टीकमगढ़ जिले के टपरियन गांव में भुअन बाई के घर गए थे। 2014 तक आपकी सरकार रही लेकिन, उस महिला के सिर पर छत नरेन्द्र मोदी की सरकार में मिली है।

राहुल जिस महिला के घर गए उसे पक्का मकान मोदी ने दिया वीडी शर्मा ने कहा- मैं बुंदेलखंड क्षेत्र का सांसद हूं। हमारे आज के नेता प्रतिपक्ष 2008 में टीकमगढ़ जिले के टपरियन गांव की भुअन बाई के घर गए थे। अभी वे उदाहरण दे रहे थे कि मैं इनसे मिला, उनसे मिला। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि 2008 में आपकी सरकार थी 2014 तक आपकी सरकार चली। तो टपरियन गांव की भुअन भाई का इतने सालों में क्या हुआ? आपको याद नहीं होगा। आज मैं गर्व से कहता

हूं कि उस बहन के सिर पर छत देने का काम किसी ने किया है तो नरेंद्र मोदी ने किया है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के माध्यम से गरीबों का जीवन बदला है।

छिंदवाड़ा की जीत का लोकसभा में किया जिक्र- लोकसभा में वीडी शर्मा ने कहा- हम छिंदवाड़ा का चुनाव लड़ रहे थे। तब लोग कहते थे कि छिंदवाड़ा पता नहीं, किन का गढ़ है। तब हमने कहा था छिंदवाड़ा किसी का गढ़ है तो नरेंद्र मोदी की गरीब कल्याण की योजनाओं के हितग्राहियों का गढ़ है। हमने ऐतिहासिक बहुमत से विजय हासिल की और वह गढ़ भी तोड़ने का काम हमने किया है।

जब हम मध्य प्रदेश में चुनाव लड़ रहे थे तब हमने कहा था कि मध्य प्रदेश के मन में मोदी है। मध्य प्रदेश के मन में मोदी के अभियान के साथ विधानसभा में रिकॉर्ड बनाया, लोकसभा चुनाव में तो 29 की 29 सीट जीतकर मध्य प्रदेश की जनता ने मोदी जी को आशीर्वाद दिया है।

2008 में राहुल गांधी टीकमगढ़ जिले के टपरियन गांव में हलकी आदिवासी के इस घर में रुके थे। तस्वीर में दिख रही खाट पर राहुल गांधी ने विश्राम किया था। राहुल ने टपरियन की भुअन बाई के घर भोजन कर गरीबी से जूझ रहे परिवार को आत्मनिर्भर बनाने में मददगार बनने का वादा किया था।

बजट में मप्र को 11205 करोड़ रुपए ज्यादा मिले- वीडी शर्मा ने कहा- बजट 2024- 25 जो वित्त मंत्री निर्मला जी ने पेश किया है। उस बजट के लिए मध्य प्रदेश की तरफ से धन्यवाद करना चाहता हूं। इस बजट में मध्य प्रदेश को 11205 करोड रुपए पिछले बजट के तुलना में ज्यादा दिए हैं। प्रधानमंत्री जी के मन में हमेशा ही मध्य प्रदेश रहा है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का धन्यवाद करता हूं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का भी धन्यवाद, रेलवे के लिए मध्य प्रदेश को 14738 करोड रुपए दिए हैं। जो कांग्रेस के समय में केवल 632 करोड़ था। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री जी का धन्यवाद।

ओवैसी को भी दिखाया आईना

वीडी शर्मा ने संसद में असदउद्दीन ओवैसी के वक्तव्य पर पलटवार करते हुए कहा- देश का विपक्ष केवल नकारात्मक और झूठ छ्ल कपट की राजनीति देश में करना चाहता है। देश यह दुर्भाग्य है विपक्ष इस तरह की भूमिका इस सदन में निभा रहा है। ओवैसी जी बोल रहे थे कि 17 करोड़ मुसलमान को इस बजट मे कोई अवसर नहीं मिला है। मैं कहना चाहता हूं, भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारे वित्त मंत्री जी ने 10 वर्षों के अंदर सबके साथ सबका विकास और सबके विश्वास के आधार पर काम इस देश में किया है।

यह बजट सर्वस्पर्शी, सर्व समावेशी और विकासोन्मुखी है। 140 करोड़ भारतवासियों की आशाओं और आकांक्षाओं और अमृतकाल के सभी संकल्पना को सिद्ध करने वाला बजट है। आम बजट 2024-25 विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की निर्माण का आर्थिक दस्तावेज के माध्यम से प्रधानमंत्री जी ने प्रस्तुत किया है।

संपादकीय

प्रभात के बाद आरिफ भी अस्त !

मध्यप्रदेश ने बीते सप्ताह अपने दो दिग्गज नेताओं को खो दिया। हालांकि दोनों अलग- अलग विचाराधारा, राजनीतिक दल और पृष्ठभूमि से थे। दोनों ही लंबे समय से बीमार थे। एक ने दिल्ली में तो दूसरे ने भोपाल के अस्पताल में अंतिम सांस ली। प्रभात झा गंभीर डायबिटीज से तो आरिफ अकील लाइलाज एलर्जी से पीड़ित थे। दोनों ने जमीनी स्तर से सियासत की शुरुआत की और एक अहम मुकाम पाया। अपनी अलग पहचान बनाई। गौरतलब है कि जुलाई के अंतिम हफ्तों में भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद प्रभात झा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री रहे आरिफ अकील ने अपना दुनियावी सफर खत्म करते हुए अंतिम सांसें लीं। इनमें भी आरिफ अकील अपने निधन से पहले पुत्र को आतिफ अकील को अपनी राजनीतिक विरासत सौंप गए, लेकिन प्रभात झा ऐसा नहीं कर पाए। दोनों में एक समानता यह भी थी कि दोनों का राजनीतिक सूर्योदय लगभग एक साथ ही हुआ था, लेकिन क्षेत्र अलग-अलग थे। प्रभात झा मूलतः बिहारी होते हुए भी ग्वालियर आ बसे थे और आरएसएस के संस्कारों में रचे-ढले थे। उन्होंने अपना कॅरियर 'स्वदेश' में पत्रकार के रूप में शुरू किया तथा कई महत्वपूर्ण अवसरों पर रिपोर्टिंग की। भाजपा जैसी राष्ट्रवादी पार्टी को वैचारिक मजबूती देने का काम प्रभातजी ने अपनी प्रखर लेखनी से किया। तीन दशक पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा उन्हें पार्टी का मीडिया प्रभारी बनाकर भोपाल ले आए। उसके बाद प्रभातजी का मीडिया से गहरा रिश्ता बना। भाजपा की राजनीति में उन्हें पटवा खेमे का और संघ में सुरेश सोनी कैम्प का माना जाता था। तत्कालीन मुख्यमंत्री उमा भारती से उनकी नहीं पटी और वे भाजपा की केन्द्रीय राजनीति में चले गए। पार्टी ने उनकी सेवाओं को देखते हुए राज्यसभा भेजा। इसके पहले वो मप्र में प्रदेश भाजपाध्यक्ष भी रहे। प्रभातजी के जाने से भाजपा का एक 'मीडिया मित्र' चला गया। मप्र वासी होने के बाद भी उनका अपने जन्म स्थान बिहार के सीतामढ़ी क्षेत्र से लगाव बना रहा। उनकी अंतिम इच्छा के मुताबिक प्रभातजी का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव कोरियाही में किया गया।

इसी तरह आरिफ अकील मप्र में बड़ा मुस्लिम चेहरा थे। उन्होंने अपने राजनीतिक कॅरियर की शुरुआत भोपाल के सैफिया कॉलेज में छात्र नेता के रूप में की थी। आरिफ की राजनीति समाजसेवा केन्द्रित थी। 1990 में जब कांग्रेस ने उन्हें विधानसभा का टिकट नहीं दिया तो वो निर्दलीय चुनाव जीत गए थे। वो 6 बार से विधायक थे और केवल एक चुनाव हारे थे। दिग्विजयसिंह और कमलनाथ मंत्रिमंडल में वो कैबिनेट मंत्री रहे। आरिफ ने एक नेता के रूप में सबके मददगार की छवि बनाई। यही कारण था कि उन्हें मुसलमानों के साथ हिंदू वोट भी भरपूर मिलते थे। आरिफ को सर्वाधिक शिक्षित विधायकों में गिना जाता था, क्योंकि उनके पास कई डिग्रियां थीं। यद्यपि विरोधी उनकी डिग्रियों की प्रामाणिकता पर प्रश्न चिन्ह लगाते रहे। आरिफ ने मुसलमानों की बेहतरी के लिए भी काफी काम किया। भोपाल की राजनीति में वो चालीस साल तक छाए रहे। भोपाल में वक्फ बोर्ड की 69 एकड़ जमीन पर बेघर लोगों के लिए आरिफ नगर बसाने का श्रेय उन्हें ही जाता है। इसके अलावा अपने निर्वाचन क्षेत्र भोपाल उत्तर विधानसभा क्षेत्र में विधायक निधि से निर्मित पानी प्याऊ का निर्माण उन्होंने क्षेत्र के उलेमा, बुद्धिजीवी, प्रसिद्ध लोगों, शायर, खिलाड़ियों के नाम समर्पित कर नई मिसाल की। कई मुशायरे भी आयोजित किए। बीते तीन दशक से वो स्वतंत्रता दिवस पर 'पैगाम ए मुहब्बत रैली' निकालते रहे। यह संयोग ही है कि प्रभात झा और आरिफ अकील का राजनीतिक उदय और अस्त भी लगभग एक ही समय पर हुआ। हालांकि दोनों की उपलब्धियों के क्षितिज अलग-अलग थे।

नजरिया

तनवीर जाफरी

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

राहुल गांधी की मेहनत और पार्टी की गुटबाजी

सत्तारूढ़ भाजपा के इसी कांग्रेस विरोधी दुष्प्रचार का परिणाम था कि 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस भारतीय इतिहास में अब तक सबसे कम यानी मात्र 52 सीटें ही जीत सकी। और इसी बहाने भाजपा ने कांग्रेस का विपक्ष के नेता के पद का दावा भी स्वीकार नहीं किया। कारण बताया गया कि विपक्ष के नेता के पद का दावा करने के लिए कांग्रेस आवश्यक 10 प्रतिशत सीटें पाने में विफल रही है। उसके बाद राहुल गाँधी ने सत्ता से डटकर मुक़ाबला किया। कई ज्वलंत मुद्दे उठाये। पूरे देश में दक्षिण से उत्तर यानी कन्याकुमारी से श्रीनगर व पूरब से पश्चिम अर्थात् मणिपुर से मुंबई तक की 10,000 किलोमीटर से भी अधिक की दूरी तय की। राहुल ने इस दौरान समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों से मुलाक़ात की। इन यात्राओं में राहुल के साथ देश की अनेकानेक प्रमुख हस्तियां भी शामिल हुईं।

देश के सबसे प्राचीन राजनैतिक संगठन कांग्रेस ने जितनी बार विभाजन व विघटन सामना किया है उतना किसी दूसरे राजनैतिक दल को नहीं करना पड़ा। केवल विभाजन ही नहीं बल्कि कांग्रेस पार्टी के जितने अवसरवादी, सत्ता लोलुप व विचार विहीन नेताओं ने दल बदल किया है और पार्टी छोड़ कर इधर-उधर गए हैं उतने दल बदलू नेता भी किसी अन्य पार्टी में नहीं मिलेंगे। और विगत एक दशक से तो सत्ता ने कांग्रेस विरोध का जो तरीक़ा निकाला है उसे देखकर तो लगता ही नहीं कि कांग्रेस का 'राजनैतिक विरोध' किया जा रहा है। बल्कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कांग्रेस विरोध को व्यक्तिगत रंजिश व दुश्मनी के रूप में पेश किया जा रहा है।

उदाहरण के तौर पर 'कांग्रेस मुक्त भारत' का नारा देना, कई कांग्रेस शासित सरकारों को डरा धमकाकर या लालच देकर गिराना व अपनी सरकार बनाना, कांग्रेस के अनेक नेताओं को किसी न किसी आरोप में उलझाकर उन्हें हतोत्साहित करने की कोशिश करना, राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द करना, उनसे बांग्ला ख़ाली करवा लेना,उनपर कई जगहों से मुक़द्मे क़ायम कराना, चुनाव पूर्व कांग्रेस के खाते फ्रीज़ करवाना, ईडी,सीबीआई आदि का भय दिखाकर अनेक कांग्रेस नेताओं को अपने पाले में लाना, नेहरू गांधी परिवार पर तरह तरह के झूठे लांछन लगाना, स्वयं दस वर्षों से सत्ता में रहने के बावजूद देश की अनेक समस्याओं के लिये नेहरू को ज़िम्मेदार ठहरना, राहुल गांधी को 'पप्पू' साबित करने के लिये करोड़ों ख़र्च करना व भाजपा आई टी सेल द्वारा तरह तरह के हथकंडे अपनाते हुये कांग्रेस को सनातन विरोधी, हिन्दू विरोधी बताना कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टीकरण व पाक परस्त होने का दुष्प्रचार करना जैसी तमाम बातें हैं जो इस नतीजे पर पहुँचने के लिये काफ़ी हैं कि भारतीय जनता पार्टी के वर्तमान शीर्ष नेतृत्व ने कांग्रेस को समाप्त करने में अपनी तरफ़ से कोई कसर बाक़ी नहीं छोड़ी।

सत्तारूढ़ भाजपा के इसी कांग्रेस विरोधी दुष्प्रचार का परिणाम था कि 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस भारतीय इतिहास में अब तक सबसे कम यानी मात्र 52 सीटें ही जीत सकी। और इसी बहाने भाजपा ने कांग्रेस का विपक्ष के नेता के पद का दावा भी स्वीकार नहीं किया। कारण बताया गया कि विपक्ष के नेता के पद का दावा करने के लिए कांग्रेस आवश्यक 10 प्रतिशत सीटें पाने में विफल रही है। उसके बाद राहुल गाँधी ने सत्ता से डटकर मुक़ाबला किया। कई ज्वलंत मुद्दे उठाये। पूरे देश में दक्षिण से उत्तर यानी कन्याकुमारी से श्रीनगर व पूरब से पश्चिम अर्थात् मणिपुर से मुंबई तक की 10,000 किलोमीटर से भी अधिक की दूरी तय की। राहुल ने इस दौरान समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों से मुलाक़ात की। इन यात्राओं में राहुल के साथ देश की अनेकानेक प्रमुख हस्तियां भी शामिल हुईं। उन्हें यह पद यात्रा ख़ासतौर पर इसलिये करनी पड़ी क्योंकि देश का मीडिया सत्ता के आगे दंडवत हो चुका है। मीडिया विपक्ष की आवाज़ बनना या जनता की आवाज़ उठाना तो दूर उल्टे विपक्ष को ही कटघरे में खड़ा करने की कोशिश में लगा रहता है। मुख्य धारा का कहा जाने वाला यही मीडिया है जिसने राहुल को पप्पू साबित करने में भाजपा व उसके आई टी सेल का पूरा साथ दिया।

इसीलिये राहुल ने देश की जनता से स्वयं मिलने, व उनकी समस्याओं को सुनने का प्रयास किया। राहुल गाँधी के अनुसार 2024 का न्याय पत्र/चुनाव घोषणापत्र भी उसी पदयात्रा के दौरान निकाले गये निष्कर्षों व जनता से मिले सुझावों पर ही आधारित है।

राहुल गांधी ने अपने इन्हीं अथक प्रयासों की बदौलत 2024 के लोकसभा चुनाव में न केवल कांग्रेस को 52 से बढ़ाकर लगभग 100 तक पहुँचाया है बल्कि यूपीए की जगह नया इंडिया गठबंधन बनाकर भी सत्तारूढ़ भाजपा व राजग को कड़ी चुनौती दी है। पिछले 5 वर्षों में जितने नेताओं ने कांग्रेस छोड़ी है उतने नेता किसी अन्य पार्टी से पलायन करते तो उस दल का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता। परन्तु राहुल गाँधी व प्रियंका गाँधी ने सोनिया गाँधी व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में अपने कौशल का लोहा मनवाकर स्वयं को अजेय समझने की ग़लतफ़हमी पालने वाले नेताओं को बैकफुट पर धकेल कर उन्हें रक्षात्मक मुद्रा में ला खड़ा किया। कांग्रेस के इस पुनरुत्थान से पूरे देश के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में तो ज़रूर जोश व उत्साह का संचार हुआ है परन्तु नेताओं की गुटबाज़ी है कि अभी भी कम होने का नाम नहीं ले रही है।

हर राज्य में कई कई मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं। हर नेता मुख्यमंत्री बनने के चक्कर में अपने अधिक से अधिक समर्थकों को टिकट दिलाना चाहता है भले ही वह विजयी होने की स्थिति में हो या न हो। कोई स्वयं मुख्यमंत्री रह चुका है तो वह अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाह रहा है। जिसे पार्टी टिकट नहीं देती वह दूसरे दल में यहाँ तक कि विचारधारा के मामले में धुर विरोधी दलों तक में जाने से गुरेज़ नहीं करता। इस तरह के दलबदल से एक बात तो साफ़ हो ही जाती है कि ऐसे नेताओं का न तो कोई ज़मीर है न वैचारिक प्रतिबद्धता, न पार्टी के प्रति वफ़ादारी का जज़्बा और न ही इस बात की फ़िक्र कि वर्तमान दौर में गांधीवादी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करने वाली कांग्रेस को समाप्त करने की साम्प्रदायिकतावादियों की साज़िशों का मुक़ाबला करने के लिये राहुल व प्रियंका गाँधी द्वारा कितनी मेहनत की जा रही है। देश का कौन नेता है जो मोचियों से चप्पल सिलना सीखे और उनके दुःख दर्द पता करे? फ़ौजी, छात्र,लोको पायलट, कुली,मज़दूर, किसान, सब्ज़ी फ़रोश, ट्रक ड्राइवर, राज मिस्त्री, चाय वाला, टैम्पू चालक, खेतिहर मज़दूर, स्कूटर मिस्त्री किस वर्ग से राहुल नहीं मिले? उनकी इसी मेहनत का ही नतीजा है कि आज कांग्रेस पुनः वापसी की राह पर है। परन्तु उन नेताओं को जिनकी पहचान ही कांग्रेस नेता के रूप में बनी है जब वही लोग कांग्रेस पार्टी के समर्पित नेता व कार्यकर्ता बनाने के बजाये केवल अपने स्वार्थवश अपने अपने गुट के नेताओं को ही तरजीह देने लगेंगे तो कहना ग़लत नहीं होगा कि पार्टी की यह भीतरी गुटबाज़ी राहुल की मेहनत पर पानी फेरने का काम करेगी।

उत्तर भारत में पानी की बर्बादी का चरम

संदर्भ- आईआईटी गांधीनगर के अध्ययन में उत्तर भारत में पानी की बर्बादी

प्रमोद भार्गव

लेखक, वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार हैं।

हमारे देश में बीते 77 सालों के भीतर जिस तेजी से कृत्रिम, भौतिक और उपभोक्तावादी संस्कृति को बढ़ावा देने वाली वस्तुओं का उत्पादन बढ़ा है, उतनी ही तेजी से प्राकृतिक संसाधनों का या तो क्षरण हुआ है या उनकी उपलब्धता घटी है। ऐसे प्राकृतिक संसाधनों में से एक है 'पानी' ! 'जल ही जीवन है' की वास्तविकता से अवगत होने के बावजूद पानी की उपलब्धता भूमि के नीचे और ऊपर निरंतर कम होती रही है। नतीजतन भारत तेजी से भू-जल की कमी के चरम बिंदु की ओर बढ़ रहा है। कुछ क्षेत्र पहले से ही इस स्थिति का सामना कर रहे हैं और कुछ में 2025 तक इसका असर दिखना शुरू हो जाएगा। यह संकट जल और खाद्यान्न दोनों की उपलब्धता को प्रभावित करेगा। हाल ही में जारी आईआईटी गांधीनगर के शोधकर्ताओं का अध्ययन बताता हैं कि जलवायु परिवर्तन के चलते खाद्यान्न की खान कहे जाने वाले उत्तर भारत ने पिछले 20 साल में अपनी बहुमूल्य 450 घन किमी भूजल संपदा को बर्बाद कर दिया है। यह संपदा इतनी बड़ी है कि इससे देश के सबसे बड़े जलाशय इंदिरा सागर बांध को 37 बार लबालब भरा जा सकता है। इस भू-भाग में मानसूनी बारिश की कमी और सर्दियों में अपेक्षाकृत बढ़ते गर्म दिनों के चलते फसलों की सिंचाई के लिए भूजल की निर्भरता निरंतर बढ़ रही है। गोया, भूमि के भीतर का पानी लगातार घट रहा है। बरसाती जल को सहेजने के प्रयास चर्चा में तो बहुत रहते हैं, लेकिन नतीजे ढाक के तीन पात ही रहे हैं।

सुधारतियों ने अपने अध्ययन में पाया है कि समूचे उत्तर भारत में 1951-2021 की अवधि के दौरान बरसात के मौसम (जून से सितंबर) में बारिश में 8.5 प्रतिशत की कमी आई है। इसी अवधि के दौरान इस क्षेत्र में सर्दियों के मौसम में तापमान 0.3 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। हेदराबाद स्थित राष्ट्रीय भू-भौतिकी अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) के सुधारतियों के दल ने अध्ययन में पाया है कि मानसून के दौरान कम बारिश होने और सर्दियों के दौरान तापमान बढ़ने के कारण सिंचाई के लिए पानी की मांग बढ़ेगी और इसके कारण भूजल पुनर्भरण में कमी आएगी। नतीजतन उत्तर भारत में पहले से ही कम हो रहे भूजल संसाधन पर और अधिक दबाब बढ़ेगा। अध्ययन में पाया कि मानसून के दौरान बारिश कम होने से भूजल की अधिक जरूरत पड़ती है और सर्दियों में तापमान अधिक होने से मिट्टी अपेक्षाकृत शुष्क हो जाती है। फलस्वरूप बार-बार फसल को सिंचाई की जरूरत होती है। जलवायु परिवर्तन के कारण बारिश की कमी और बढ़ते तापमान के चलते भूजल पुनर्भरण में लगभग छह-12 प्रतिशत की कमी आने का अनुमान है। इसी कालखंड में सिंचाई के लिए पानी की मांग बढ़ गई है। अतएव हमें अधिक दिनों तक धीमी बारिश की जरूरत है। परंतु विडंबना है कि बारिश पर अधिकार आदमी का नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार 70 फीसदी जल का उपयोग खेती-किसानी के लिए होता है। दुनिया की छह पर्यावरणीय प्रणालियां जल का स्तर नीचे गिरने और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के चलते संकट के चरम बिंदु पर हैं। यदि हालात नहीं बदले तो जीव-जंतु विलुप्त होंगे, भू-जल घटेगा, हिमखंड पिघलेंगे और यदि अंतरिक्ष में कचरा बढ़ता रहा तो असहनीय गरमी पड़ेगी। जो जीव-जगत के भविष्य के लिए चिंताजनक है। प्राकृतिक संपदा का दोहन और उसमें अनावश्यक हस्तक्षेप विनाशकारी बदलाव लाएंगे। इसका पारिस्थितिकी तंत्र, जलवायु पद्धति और समग्र पर्यावरण पर गंभीर असर दिखेगा। रिपोर्ट के अनुसार सऊदी अरब में पहले से ही भू-जल अधिकतम निचले स्तर पर है।

भारत दुनिया में सबसे ज्यादा भू-जल का इस्तेमाल करता है। यह अमेरिका और चीन दोनों के कुल प्रयोग से कहीं अधिक है। भारत का उत्तरी-पश्चिमी इलाका देश की खाद्य जरूरतों को पूरा करने के लिहाज से अहम् है, लेकिन यहां तेजी से भू-जल का स्तर गिर रहा है। नतीजतन इसके दुष्परिणाम 2025 तक दिखना शुरू हो जाएंगे। जल स्रोत सूखने लग जाएंगे, जिसका असर खेती पर पड़ेगा। आजादी के दौरान प्रति व्यक्ति सालाना दर के हिसाब से पानी की उपलब्धता छह हजार घनमीटर थी, जो अब घटकर करीब डेढ़ हजार घनमीटर रह गई है। जिस तेजी से पानी के इस्तेमाल के लिए दबाव बढ़ रहा है और जिस बेरहमी से भूमि के नीचे के जल का दोहन नलकूपों से किया जा रहा है, उससे यह निश्चित-सा हो जाता है कि अगले कुछ साल बाद जल की उपलब्धता घटकर बमुश्किल सोलह सौ कि जगह हजार-ग्यारह सौ घनमीटर रह जाएगी। टाटा एनर्जी रिसर्च इंस्टीट्यूट (टेरी) के अनुसंधानपरक अध्ययनों से साबित हुआ है कि भूमिगत जल का आवश्यकता से अधिक प्रयोग से भावी पीढ़ियों को कालांतर में जबरदस्त जल संकट का सामना करना होगा। नलकूपों के उत्खनन संबंधी जिन आंकड़ों को हमने 'क्रांति' की संज्ञा दी थी, दरअसल यह संज्ञा तबाही की पूर्व सूचना थी, जिसे हम नजरअंदाज करते चले आ रहे हैं। परंतु यह आशंका अब सच्चाई में बदलती नजर आ रही है।

खद्यान्न सुलभता के आंकड़ों को पिछले 77 साल की एक बड़ी उपलब्धि बताया जा रहा है, लेकिन इस खाद्यान्न उत्पादन के लिए जिस हरित क्रांति प्रौद्योगिकी का उपयोग किया गया है, उसके कारण नलकूपों की संख्या कुकुरमुत्तों की तरह बढ़ी, फलस्वरूप उतनी ही तेजी से भूमिगत जल की उपलब्धता घटी केंन्द्रीय भूजल बोर्ड के अनुसार नलकूप खुदाई की आमतौर से प्रचलित तकनीक गलत है। इस के लिए जमीन के भीतर तीस मीटर तक विधिवत सीलिंग होनी चाहिए ताकि जमीन की इस गहराई वाले हिस्से का पानी अपने क्षेत्र में सुरक्षित रहे। इसके बाद नीचे की खुदाई जारी रखनी चाहिए। इस तकनीक के अपनाने से खर्च में 30 हजार रूपये की बढ़ोत्तरी जरूर होती है, लेकिन भू-जल स्तर में गिरावट नहीं आती। लेकिन इस तकनीक के अनुसार नलकूपों का उत्खनन देश में नहीं किया गया।

अध्ययन के अनुसार 1947 में कोई एक हजार के करीब नलकूप पूरे देश में थे, जिनकी संख्या अब कई करोड़ हो गई है। सस्ती अथवा मुफ्त बिजली देने से नलकूपों की संख्या में और बढ़ोत्तरी हुई है। पंजाब और मध्यप्रदेश की सरकारों ने किसानों को मुफ्त बिजली देकर नलकूप खनन को बेवजह प्रोत्साहित किया हुआ है। पंजाब के 12, हरियाणा के 3, मध्यप्रदेश के 15 जिलों से पानी ज्यादा निकाला जा रहा है, जबकि वर्षाजल से उसकी भरपाई नहीं हो पा रही है। गुजरात के मेहसाणा और और तमिलनाडु के कोयम्बतूर जिलों में तो भूमिगत जल एकदम खत्म ही हो गया है। हरियाणा के कुरूक्षेत्र और महेन्द्रगढ़, मध्यप्रदेश के खण्डवा, खरगोन और भिण्ड जिलों में प्रति वर्ष जल की सतह आधा मीटर नीचे खिसक रही है। जल के नीचे उतर जाने से इस जल को ऊपर खींचने में ज्यादा बिजली खर्च हो रही है। जिन जल क्षेत्रों में पानी का अत्याधिक दोहन हो चुका है, वहां पानी खींचने के खर्च में 5000 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। सिंचाई के लिए सौर्य ऊर्जा संयंत्रों पर छूट इनकी संख्या बढ़ा रही है।

नलकूपों से बड़ी मात्रा में खनन से कुओं के जलस्तर पर जबर्दस्त प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। कुओं की हालत यह है कि 75 प्रतिशत कुएं हर साल दिसम्बर माह में, 10 प्रतिशत जनवरी में और 10 प्रतिशत अप्रैल माह में सूख जाते हैं। एक ट्यूबवैल 5 से 10 कुओं का पानी सोख लेता है। जल विशेषज्ञ और पर्यावरणविद् भी अब मानने लगे हैं कि जल स्तर को नष्ट करने और जल धाराओं की गति अवरुद्ध करने में नलकूपों की मुख्य भूमिका रही है। नलकूपों के खनन में तेजी आने से पहले तक कुओं में लबालब पानी रहता था, लेकिन सफल नलकूपों की पूरी एक श्रृंखला तैयार होने के बाद कुएं समय से पहले सूखने लगे हैं। भूमि संरक्षण विभाग के अधिकारियों का इस सिलसिले में कहना है कि भूमि में 210 से लेकर 330 फीट तक छेद (बोर) कर दिए जाने से धरती की परतों में बह रही जलधाराएं नीचे चली जाती हैं। इससे जलस्तर भी नीचे चला जाता है। नलकूपों का खनन करने वाली आधुनिक मशीनों के चलने में धरती की परतों का बहुत बड़ा क्षेत्र प्रकंपित होता है। इससे अविरल बह रही जलधाराओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। नतीजतन सैंकड़ों साल की प्रक्रिया से अस्तित्व में आने वाली जलधाराओं की संरचना अस्त-व्यस्त हो जाती है। जबकि जलस्तर को स्थिर बनाए रखने में यही धाराएं सहायक रहती हैं। अंधाधुंध नलकूपों के गहरीकरण पर तत्काल नियंत्रण लगाकर इसके वैकल्पिक उपाय नहीं तलाशे गए तो कालांतर में जबर्दस्त संकट जल की कमी और जल प्रदूषण का होगा। इस समस्या के निराकरण के सार्थक उपाय बड़ी मात्रा में पारंपरिक जलग्रहण के भण्डार तैयार करना है। पारंपरिक मानते हुये जलग्रहण की इन तकनीकों की हमने पिछले 77 सालों में घोर उपेक्षा की है।

पंडित वही जो गाल बजावा

केदार शर्मा

इस युग में गाल बजाने की कला के आगे सारी कलाएँ पानी भरती नजर आ रही हैं। इसका महत्व दिन दूना और रात चौगुना बढ़ता जा रहा है। इसके लिए न तो किसी प्रशिक्षण की आवश्यदकता होती है और न ही कोई डिग्री ही अपेक्षित होती है। बस बत्तीस दाँतों के बीच सुरक्षित जबान से जो जी में आए बढ़चढ़ कर धाराप्रवाह बोलना शुरू करना-भर होता है। हालाकि कुछ अज्ञानी लोगों ने बकबक करने,डींग हाँकने और प्रलाप करने जैसे नाम देकर,इस पुरातन कला को दबाने और इस क्षेत्र में आगे बढ़ने वालों को जितना हतोत्साहित किया उतनी ही यह कला फलती-फूलती गई। यदि आप भी इस कला में भाग्य आजमाना चाहते हैं तो इसमें कई क्षेत्र सुनिश्चित सफलता का दावा करते हुए आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं।

यदि आप प्रवचनकर्ता बनना चाहते हैं तो इस क्षेत्र में साधारण प्रवचनकर्ता के अनुभव से गुजरते हुए आप मठाधीश,धर्माचार्य, बाबा,बाबी और स्वामीजी तक के शिखर तक पहुँच सकते हैं। कई सफलतम गालवादक स्टार इससे भी आगे बढ़कर राजकीय कारागारों में आजीवन अतिथि के पद को सुशोभित कर रहे हैं। इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए अपने-अपने पंथ की पोथियों में से कुछ जगजाहिर कथाओं,दृष्टापतों, उद्धरणों और काव्य पंक्तियों को दिमाग की टंकी में भरना होता है ताकि जहाँ मौका मिले मुख की टोंटी खोलकर धाराप्रवाह रूप से गाल बजाया जा सके। धीरे-धीरे मंच,माला,मिठाई,माइक,मान और मुद्रा मय निष्ठावान भक्तों के आपके पीछे-पीछे चलने लगेंगे। चारों और जयजयकार होने लगे तो समझ लीजिएगा यह कला आपके भीतर पकने लगी हैं और अब केवल मधुर फल चखने का समय आ गया है। इस क्षैत्र में कड़वे फल केवल भक्तो के लिए सुरक्षित है। भगदड़ मचेगी तो भक्त दबेंगे, मरेंगे कुचले जाएंगे,पर आप सकुशल वहाँ से निकल भागोगे। दूरदर्शी तुलसीदासजी ने इसी युग के बारे में मानस में पहले ही लिख दिया था-'मारग सोई जा कहु जोई भावा, पंडित वही जो गाल बजावा।' जितने अधिक गाल बजाओगे उतने ही कुशल पंडित,धर्मगुरू या प्रवचनकर्ता माने जाओगे। जो गाल बजाने में माहिर नहीं है वे भोंथरी कुल्हाड़ी की तरह काल के अज्ञात गाल में गुम हो जाते हैं। कहा गया है कि 'बामण,भाट ,कुल्हाडियो जो मुख भूंटों होय, पड़ा रहत गलियार में बात न पूछे न कोय।

गाल बजाने वालों के लिए राजनीति सबसे उर्वरक क्षेत्र है। केवल गाल बजाते-बजाते अनेक नेता संरपंच से लेकर विधान सभा और संसद में पहुँच चुके हैं, अनेक मंत्री बनकर उभरे हैं। लोकतंत्र के इन सदनों में यह सुविधा भी दी गई है कि सदन में गाल बजाने पर अभियोग दायर नहीं किया जा सकता। अभी हाल ही में अखबारों से पता चला कि राजस्थान विधान सभा में एक पूर्व मंत्री ने भरी विधान सभा में अपशब्दों का प्रयोग कर जो गाल बजाया उसे सुनकर शर्म को भी शर्म आ जाए तो कोई शर्म की बात नहीं होगी। जो विपक्ष में हैं उनको तो सत्ता पक्ष की उचित-अनुचित बात पर कभी गाल बजाकर तो कभी गाल फुलाकर पाँच साल निकालने ही होते हैं।

जिनको कहीं पर भी गाल बजाने का मंच नहीं मिला वे भी सोशल मीडिया के समंदर में दो-दो हाथ कर रहे हैं। इतनी बड़ी संख्यान में, इतने विषयों पर गाल बजाने वाले इतने महारथियों को एक साथ देखकर दाँतो तले अंगुली दबानी पड़ रही है। सोशल मीडिया इस सब के लिए एक लहराता गहराता संमदर है ओर यह सब गाल बजाने वालों के लिए यह स्वर्णिम काल है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

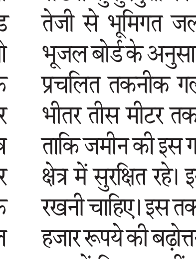

डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

अनंत विवाह आह और वाह !

श्रीमती जी पर अनंत के विवाह का जुनून सवार था। उसने इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया पर तीन दिन पूरे एक ऐसे विवाह पर व्यतीत किए जिसमें छोटी-मोटी आह और बड़ी वाह भी थी । आह वाह से भरपूर इस अनंत विवाह की रस्मों को देखने वाली श्रीमती से मैंने पूछा कि न तो तुम्हें निमंत्रण मिला,न ही कोई संदेश आया फिर भी बेगानों की शादी में तुम अब्दुल्ली क्यों बनी हुई हो। और शादी अंबानी के घर हो रही है और अपने घर में अम्बान यानी तनाव चढ़ा और बढ़ा रही हो । तुम्हें बुलाया भी नहीं और एक के बाद एक रस्में देखकर देखकर रसमय हो रही हो। इस पर श्रीमती झल्लाई और बोली यह ऐसा विवाह उत्सव था जिसमें मेरे सहित सब के सब थे। और इस विवाह में अनंत वाह वाह के साथ कुछ आह भी थी।

श्रीमती को अंबानी द्वारा नहीं बुलाने पर बोली निमंत्रण कार्ड को लेकर आप माइंड मत करो। अरे जहां-जहां जिन्हे निमंत्रण देते हैं वे तो नहीं आते हैं और बगैर बुलाए अक्सर शादी विवाह में पहुंच जाते हैं।कोई बैंड वाले के साथ, तो कोई डीजे वाले के साथ तो कोई ड्राइवर बनकर पहुंचते है और ये बगैर बुलाये मेहमान खाने-पीने का लुत्फ उठाते हैं। क्योंकि बड़े-बड़े साब लोग तो नजरे मिलाने,नजरे चुराने के साथ-साथ मासी मल्ले और बहस मुहासिबे में वक्त गुजार देते हैं और आशीर्वाद का फोटो खींचा कर घर पहुंच जाते हैं और घर जाकर किचन में श्रीमती से किच-किच कर खाना खाते हैं।

श्रीमती आगे बोली अनंत विवाह में किच-किच का तो कोई मसला ही नहीं था। इस विवाह में वाह वाह अथाह था। इस वाह वाह वाले अनंत विवाह में नाचने वाले, गाने वाले,हंसने वाले, मोहब्बत करने वाले, राजनीति में सत्ता करने वाले,राजनीति में सताने वाले, पक्ष विपक्ष वाले,साधु, संत, सन्यासी आचार्य, कथा वाचक,खिलाड़ी अनाड़ी ,हीरो हीरोइन,क्रिकेटर, दादा पहलवान, देशी अंग्रेजी, खली बली,फोटोग्राफर,कोरियोग्राफर जैसे बड़े-बड़े ग्राफिक्स वाले मौजूद थे ।

वह बोली,वाह वाह ,वाले विवाह में थोड़ी बहुत आह न हो तो भी किसी कार्यक्रम में मजा ही नहीं आता है। इसी अनंत विवाह में तलाक से लेकर अन्य छोटे-मोटे बवाल भी हुए। कुछ साथ-साथ आए तो कुछ अलग-अलग भी आए। कुछ फीमेल के साथ तो कोई फैमिली के साथ आए, तो कोई फैमिली के साथ नहीं दिखे, इसी विवाह में सालों से आह भरने वाले , उम्र दराज हो रहे सल्लू को मोहब्बत का पुराना कदम आगे बढ़ाने का मौका मिला, जिसकी आराधना आराध्या वर्षों से कर रहा है। इसी विवाह के दौरान ही तलाक जो लॉक हो गया था उसकी चाबी भी मीडिया को खुलने को मिल गई और मोहब्बत,तलाक की चर्चा भी इस इसी विवाह में होकर आह वाह कारण भी बनी।

वह बोली इस अनंत विवाह से हमें क्या देश को बहुत कुछ मिला। विवाह में सनातन संस्कृति से तनातनी करने वालों को सबक मिला जो सनातन से नाता जोड़ने तोड़ने पर चाहे जो बोलते हैं । इस विवाह में चरणों में गिरने से लेकर आशीर्वाद देने और संस्कारों की वाह वाही भी हुई।

वह बोली सुबह में बॉलीवुड की तमाम बड़ी हस्तियों की खबरों ने जोर पकड़ा और उनकी गतिविधियों के हाई-फाई वीडियो दुनिया भर में वायरल हो गए ।इस विवाह की बारात अनूठी थी जिसमें योग वाले गुरु रामदेव ठुमके लगा रहे थे और बारात में सितारों ने जमकर डांस किया।

अनंत विवाह की पड़ोसी देश में भी आह भी निकली। पड़ोसी देश के एक एक्टर ने इस विवाह का मजाक इसलिए उड़ाया। इस विवाह के ऐतिहासिक तौर पर काफी लंबा होने पर ईर्ष्या की हीट वेव से भुने हुए एक्टर ने कहा जितने माह अनंत विवाह हुआ उतने में तो आजकल रिलेशंस भी नहीं चलते हैं । हो सकता हो यह जलन उन्होंने फेमस होने के लिए वायरल की हो ।लेकिन जिनके यहां विवाह आह से भरे होते है वे वाह वाही से खफा तो होते ही है। और अफवाह, तलाक और फेंक न्यूज़ से मन को थोड़ा बहुत खुश कर लेते हैं।

श्रीमती बोली अंबानी ने भले ही देश की नारी शक्ति को कम संख्या में बुलाया हो लेकिन प्री वेडिंग,हल्दी,मेहंदी,नाच गान बारात,राजनीतिक शक्तियां,विदेशी हस्तियों की मौजूदगी में विवाह में हस्त मिलाप की वाह वाह पर कई विलाप करते दिखे जिनमे आप जैसे शौहर भी शामिल है। इस अनंत विवाह के मांगलिक उत्सव की वाह वाह ने आह उत्सर्जित करने वालों हवा निकाल दी। ऐसा था अनंत विवाह वाह भाई वाह !

यात्रा वृतांत

रंजू भाटिया

लेखिका प्रख्यात ब्लॉगर हैं।

ओंटारियो टोरेंटो जैसा मैंने महसूस किया

सात समंदर पार जा कर विदेश की धरती को अपनी नजर से देखना घुमक्कड़ी का ही सुंदर अंदाज है। अपने देश से दूर दूसरे देश में पहुंचते ही पहले पहल हर वहां की चीज बहुत आकर्षित करती है। फिर जब आप धीरे-धीरे वहां के पानी हवा में घुलने लगते हैं तो फिर अपनी पसंद की तरफ ही आकर्षित होते हैं। किसी को भौतिक चीजें, बिल्डिंग्स और खानपान अच्छा लगता है और किसी को वहां की कुदरत, वहां का कल्चर, वहां के लोग आकर्षित करते हैं।

मैंने टोरंटो हवाई अड्डे से बाहर निकलते ही जो इस जगह की एक झलक देखी वह बिल्डिंग्स से भरी हुई थी। खूब बड़ी-बड़ी बिल्डिंग्स, टॉवर आदि। पहली बार तो लगा दिल्ली के आसपास वाली जैसी ही जगह है। हां, सड़कें संयमित यातायात और बिना हॉर्न के चलते हुए कुछ अलग लगीं। फिर जैसे-जैसे बेटी के घर की तरफ बढ़ते गए तो लगा जैसे कुदरत मुस्करा कर स्वागत करते हुए कह रही हो, 'यह भी एक रूप है जो मोहित कर देगा तुम्हें।' और फिर वाकई दूर तक फैली समुद्र सी ओंटारियो लेक के साथ-साथ रास्ते में मिलने वाले ऊंचे पेड़ों और बड़े-बड़े फूलों को मैं बस देखती रह गई। और फिर तो यहां की कुदरत ने अपने मोहपाश में ऐसा बांधा कि आखिरी दिन तक इसके जादू में जैसे बंधी ही रहूंगी।

किसी भी देश की इमारतें सड़कें और मॉल वहां की उन्नति के प्रतीक है। कुछ लोगों की यह पसंद है पर मुझे वहां के बाजारों से ज्यादा प्रकृति के नज़ारों ने प्रभावित किया। यह कि ईश्वर की दी गई सुंदर प्रकृति को हम लोगों ने किस तरह से सहेजा और अपनी पहली पसंद में शामिल किया है। नियाग्रा फॉल जितनी बार देखा उतनी बार अलग दिखा। चाहे वहां साथ में बना 'क्लिफ्टन हिल' कई तरह के मनोरंजन के साधनों से इंसान ने बना कर जैसे बैलेंस करने की कोशिश की। जैसे स्काईव्हील और टॉवर से धीरे-धीरे घूमते हुए यूएसए और फॉल्स की झलक के साथ 'क्लिफ्टन हिल' के नज़ारे और रोशनी भी देख सकते हैं। इतनी ऊंचाई से इन्हें देखते हुए थोड़ा सा रोमांच भी होता है पर जो सकून फॉल्स के पास बैठे हुए गिरते हुए पानी की बातें सुनने में है, मुझे वह ज्यादा आकर्षण लगा। न जाने कितनी सदियों की कहानी वो गिरता हुआ पानी सुना रहा था, कैसीनो और बने मनोरंजन के घर, से अधिक व्हाइट वाटर पार्क, बिहाइंड दा फॉल्स और क्रूज में पानी को महसूस करना ने मुझे रोमांचित किया। वहां के पत्थरों भी जैसे अपने बनने के युग से कोई कहानी सुनाते दिखे। ग्लेन की ऊंची चट्टाने न जाने कितने युगों से इस जगह को बनने की बातें सुना दिखाती हैं। इनके पत्थरों पर बने फ़ॉसल्स दुनिया के शुरू होने की उत्सुकता को गहराई से समझने की जिज्ञासा जगाते हैं।

उल्टे पलटे (अपसाइड डाउन हाउस) घर के अंदर की दुनिया सीमित लगी सिर्फ एक इंसानी कल्पना पर दूर-दूर तक फैले घास के मैदान,इन पर बने पिकनिक स्थल, हंसते और 'बारबिक्यू' करते लोग जीवंत और पल पल जिंदगी को जीते दिखे। यहां के दूर-दूर तक फैले सुंदर क्रिस्टल बीच व अन्य बीच किसी भी मॉल के अंदर लगे सामान और एयरकंडीशन से अधिक मनभावन लगे। घर गृहस्थी का पूरा समान एक ही छत के नीचे देखना खरीदना वाकई एक अलग अनुभव रहा। इन जगह पर दुनिया भर के खाने के सामान और सब देशों की सब्जियां देखना बहुत ही मजेदार अनुभव रहा। पर यह उतना ही बांध सका जितनी जरूरत महसूस होती रही। हां पटेल मॉल और स्वदेशी मॉल जैसे स्टोर देखना मुझे बहुत ही बेहतरीन लगे,अपने देश की हर छोटी बड़ी चीज को विदेश में देख कर लगा कि छोटा सा भारत यहां भी सांस लेता है। अपनी रखी हर चीज में चाहे मिठाई हो चाहे मसाले या पापड़ आचार। बल्कि कई तो ऐसी खाने की दालें और अन्य चीजें आसानी से मिलती दिखी जो अब वहां भारत में कहां मिलेगी ढूंढनी पड़ती है।

गांव अपने देश के हो या विदेश के मुझे बहुत ही अपने से लगते हैं। इनके साथ वहीं पर उगे फल सब्जियां और इन्हें बेचते वहां के किसान किसी कहानी के जीवंत पात्र से लगते हैं। उन्हें देखते खरीदते वहां की मिट्टी से लगाव महसूस होने लगता है। नदी में भागती स्टीम बोट और छोटी नावों पर जाते हुए लोगों को 'वाटर फ्रंट' से देखना मुझे किसी भी बिल्डिंग्स की ऊंचाई से अधिक सुंदर लगता है। जंगलों के बीच में लंबी दूरी की वॉक करना बहुत ही सहज और तरोताजा कर गया।

घर जो कई बहुत पुराने बने हैं उनके रखरखाव और सजावट बहुत ही सुंदर और याद रखने वालीं हैं। मन किया कि किसी घर के अंदर जा कर उसकी साज़ सज्जा देखूं ,तो कुछ हद तक बने वहां बने क्राफ्ट शॉप्स ने झलक दिखा दी कि कैसे अंदर से इन सब से घर सजते होंगे। किताबें मुझे हमेशा से प्रिय रहीं हैं यहां तो जैसे हर कदम पर इनका लाइब्रेरी के रूप में जैसे खजाना मिला।खूब हिंदी और कुछ सिंपल समझने वाली इंग्लिश की कनाडा ट्रैवल की बुक्स पढ़ी। दिल को हिंदी के सिवा अन्य भाषा न जानने का अफसोस रहा,कि काश अन्य भाषाएं आती तो कितना कुछ पढ़ा जा सकता था यहां। लाइब्रेरी सिर्फ यहां किताबें पढ़ने का स्थान नहीं थी और भी अन्य क्राफ्ट और अन्य गतिविधियों से जुड़ी हुई थीं तो हैरान होना स्वाभाविक ही था। बच्चों में शुरू से ही किताबें पढ़ने की आदत और शौक पैदा करना यहीं से शुरू हो जाता होगा।

यहां पर बिंदास रहते मुस्कराते बुजुर्ग और काफ़ी जगह बने ओल्ड एज होम भी बहुत सुविधाजनक दिखे। अपनी जिंदगी के हर पल को जीते हुए। 'कनाडा दिवस' पर इन्हें युवाओं जितना ही उत्साहित देखना मेरे मन में भी उत्साह भर गया। 'टिम हॉर्टन कॉफी' के कप यहां लगभग हर किसी के हाथ में दिखते हैं, उसी को पीते हुए बतियाते हुए युवा बुजुर्ग बहुत रिलेक्स से दिखते हैं। हालांकि मुझे इसका स्वाद विशेष पसंद नहीं आया।

खानपान थोड़ा घर से बाहर जरूर अलग रहा पर बच्चों का घर से सब कुछ स्वादिष्ट और बेहतरीन बना कर ले जाने के कारण बाहर कुछ अधिक खाने की जरूरत और इच्छा भी नहीं हुई। इंडियन रेस्टोरेंट बहुत है यहां पराठे वाली गली से लेकर बिरयानी तक कोई कमी नहीं। 'अन्नपूर्णा रेस्टोरेंट हिम्लटन' में साउथ इंडियन खाना खा मुझे इंडिया का डोसा स्वाद से यहां बेहतरीन लगा। राजस्थानी रेस्टोरेंट में भी गट्टा करी और नान ने भारतीय स्वाद की कमी नहीं महसूस होने दी।

बस बात तो वही है कि सबकी अपनी अपनी पसंद और किसी भी जगह को देखने का अपना नजरिया है। किसी को मॉल संस्कृति और मनोरंजन स्थल अधिक पसंद आती है पर मैने यहां आ कर और भी अधिक खुद को कुदरत के करीब पाया। बेशक यहां की कुदरत को और अधिक व्यवसायिक बनाने में इंसान ने भी खूब मेहनत की है और लोगों को आकर्षित भी किया है। जैसे नियाग्रा फॉल्स के पास यू एस ए और कनाडा को जोड़ता पुल बेशक इंसानी करिश्मा सा लगा। Thousand आइलैंड और मस्कोका तक पहुंचाने वाली सड़के ,पुल अद्भुत लगी। ब्ल्यू माउंटेन को टूरिस्ट प्लेस बनाने में पूरा हाथ दिखा इंसानी सोच का। पर हर जगह जैसे वहां की हवा,पानी, और न जाने कितनी तरह के फूलों के रंग फल,छोटे बड़े नए दिखे परिंदों की उड़ान ही मेरे लिए नंबर वन रही।कुदरत ने सब फ्री दिया दिल खोल कर दिया पर इंसान ने अपनी बुद्धि लगा कर उसमें होटल, और अन्य साधन जोड़ कर पैसे कमाने का जरिया बना लिया। दोनों ही बैलेंस चलते रहेंगे इसी तरह से,यही सोच लेते हैं।

मुझे आगे भी जो याद रहेगा वो यह सब कुदरती नज़ारे ही याद रहेंगे, बाकी बिल्डिंग्स और रहे हुए होटल शायद भूल जाएं।पर जितने घूमते हुए शहर दिखे उनके जो विस्तृत कुदरती रूप है वह अमिट हैं अब। वह नहीं भूल पाऊंगी।

कई शहर और कई जगह यहां देखी पर बात तो वही है फिर से कि सोच अपनी और सबकी पसंद भी अपनी। बहुत कुछ और भी यहां के के बारे में लिखने को,इन सवा दो महीने के प्रवास में एक भी दिन घर में नहीं रुके,रोज कोई न कोई नई और सुंदर जगह देखी है, पर फिलहाल अभी के लिए इतना ही,यहां की ऑक्सीजन से भरपूर हवा और यहां की नदी लेक की कल कल ध्वनि को अभी खुद में बसाए हुए यहीं विश्राम लेती हूं यह कहते हुए कि ओ कनाडा ! मुझे फिर से कुदरत के और नए रंग रूप देखने के लिए बुलाना।

पर्यावरण

अली खान

स्वतंत्र लेखक एवं प्रारंभिक शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार में शिक्षक के पद पर सेवारत।

गिद्धों की आबादी को बचाने की बड़ी चुनौती

आज यह चिंताजनक बात है कि वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए जरूरी समझे जाने वाले गिद्धों की प्रजातियां बड़ी तेजी के साथ खत्म हो रही हैं। गिद्धों के गायब होने के कारण पर्यावरण में रोगाणु अपने पांव पसार रहे हैं। जो इंसानों में घातक संक्रमण के साथ ही साथ जानलेवा भी साबित हो रहे हैं। दरअसल, स्वच्छ वातावरण के साथ इंसानों की जान को महफूज रखने के लिए गिद्धों की उपस्थिति को नितांत आवश्यक माना जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 1990 में गिद्धों की आबादी 4 करोड़ थी, जो अब मात्र 60 हजार रह गई है। गौरतलब है कि संकट में आए गिद्ध की प्रजातियां को 2022 में आईयूसीएन की रेड लिस्ट में डाल दिया गया। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक, 2000 से 2005 के बीच 5 लाख से अधिक लोगों की मौत ऐसे रोगाणुओं से हुई, जो मरे हुए पशुओं के शव से निकलकर संक्रमण फैलाने की वजह बने। जब इसके बारे में गहन शोध किया गया तो मालूम चला कि इसके पीछे की बड़ी वजह गिद्धों का गायब होना रहा।

हमें यह समझने की आवश्यकता है कि गिद्ध मुफ़्त पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएँ प्रदान करते हैं, जो पारिस्थितिकी तंत्र या वन्यजीवों द्वारा मानव कल्याण में किए जाने वाला योगदान हैं। मालूम हो, गिद्ध अनिवार्य मैला ढोने वाले होते हैं जो पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण,

मिट्टी और पानी के दूषित पदार्थों को हटाने और बीमारियों के प्रसार को नियंत्रित करने जैसी पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उदाहरण के तौर पर ग्रिफ़ॉन गिद्ध जानवरों के शवों से प्राप्त बड़ी मात्रा में सड़ा हुआ मांस खाते हैं, जिससे खाद्य जाल के माध्यम से ऊर्जा का हस्तांतरण होता है। इनकी उपस्थिति जंगली कुत्तों जैसे अन्य वैकल्पिक मैला ढोने वालों की आबादी को नियंत्रित करके बीमारियों के संचरण को सीमित करने में मदद कर सकती है। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि गिद्ध हमारे पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखने में सहायक है। हमें यह भी समझने की नितांत आवश्यकता है कि गिद्धों की आबादी और प्रजाति पर विद्यमान संकट कहीं न कहीं पारिस्थितिकी से जुड़ा संकट है। यदि समय रहते गिद्धों के संरक्षण के लिए प्रयास नहीं किए गए तो भविष्य में गिद्ध प्रजाति की शुमारी विलुप्त प्रजाति में होगी। जो स्वाभाविक रूप से हमारी चिंताओं में इजाफा करेगी। लिहाजा, गिद्धों के संरक्षण के लिए तत्काल कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। जिससे गिद्धों की आबादी को बचाया जा सके।

दरअसल, गिद्ध पक्षी से आम-आदमी परिचित है। इन्हें मुर्दाखोर पक्षी के नाम से भी जाना जाता है। इनकी सबसे बड़ी खुबसूरती यह है कि ये भोजन की तलाश करते समय लंबी दूरी तय करने की अपनी अविश्वसनीय क्षमता के लिए जाने जाते हैं। ये बड़े अपमार्जक पक्षियों की 22 प्रजातियों में से एक हैं, जो मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय और उपोष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में रहते हैं। ये प्रकृति के अपशिष्ट संग्रहकर्ता के रूप में एक महत्वपूर्ण कार्य करते हैं और पर्यावरण को अपशिष्ट से मुक्त रखने में सहायता करते हैं। भारत में गिद्धों की 9 प्रजातियों जैसे ओरिएंटल व्हाइट-बैक्ड, लॉन्ग-बिल्ड, स्लेंडर-बिल्ड, हिमालयन, रेड-हेडेड, इज़िप्शियन, बियर्डेड, सिनेरियस और यूरेशियन ग्रिफॉन का निवास स्थान है। हालांकि दक्षिण एशियाई देशों विशेषकर भारत, पाकिस्तान और नेपाल में गिद्धों की आबादी में उल्लेखनीय कमी देखी गई है। इनकी संख्या में कमी का मुख्य कारण 1990 के दशक के अंत और 2000 के दशक की शुरुआत में पशुओं के उपचार में दर्द निवारक दवा डाईक्लोफेनाक का व्यापक उपयोग था। इसके परिणामस्वरूप कुछ क्षेत्रों में आबादी में 97 प्रतिशत से अधिक की कमी देखी गई, जिससे पारिस्थितिक संकट उत्पन्न हुआ। इस बीच आम-आदमी के मस्तिष्क में इस सवाल का कौंधना स्वाभाविक है कि आखिर दर्द निवारक दवा ने किस तरह गिद्धों की सेहत के साथ खिलवाड़ करते हुए, इनकी आबादी को संकट में डाला? बता दें कि आमतौर पर पशुओं में दर्द और सूजन का इलाज करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली यह दवा गिद्धों के लिए बेहद विषैली होती हैं। मृत जानवरों के शवों को खाने के बाद गिद्धों की सेहत पर डाइक्लोफेनाक दवा बहुत घातक प्रभाव छोड़ती है है। विशेष रूप से डाईक्लोफेनाक गिद्धों में घातक गुर्दे की विफलता का कारण बनता है। इससे गिद्धों की मौत हो जाती हैं।

हाल के अध्ययनों से पता चला है कि गिद्ध एक कुशल, लागत प्रभावी और पर्यावरण के लिए लाभकारी शव निपटान सेवा प्रदान करते हैं जिसे पशुपालक मूल्यवान मानते हैं। पशुओं के शवों को तेज़ी से खाने की उनकी क्षमता ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और वाहनों द्वारा शवों के संग्रह और प्रसंस्करण संयंत्रों तक परिवहन से उत्पन्न होने वाली आर्थिक लागतों को काफी कम कर सकती है। गिद्ध हजारों साल पुरानी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सेवाएं भी प्रदान करते हैं, साथ ही इकोटूरिज्म के रूप में मनोरंजक सेवाएं भी प्रदान करते हैं, खास तौर पर पक्षी-दर्शकों और फोटोग्राफरों के लिए। गिद्धों को उनके प्राकृतिक आवास में देखना महत्वपूर्ण संभावित मूल्य है, और गिद्धों के प्रजनन क्षेत्रों और भोजन स्थलों के आसपास इकोटूरिज्म स्थानीय आय के महत्वपूर्ण स्रोत प्रदान कर सकता है। हमें यह समझने की निहायत आवश्यकता है कि ये गिद्ध कितने मूल्यवान हैं और भविष्य की पीढ़ियों के लिए इन्हें बचाने के लिए कदम उठाने चाहिए। जिससे हमारे पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने में मदद मिलेगी।

भारत में बैंकिंग-अंतिम

डॉ. मयुरा केमकर डॉ. वाणिकी जोशी लोहानी

पंकज यादव

भारत में डिजिटल बैंकिंग की ओर बदलाव

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि भारत में भुगतान और निपटान प्रणालियाँ सुरक्षित, कुशल और सभी के लिए सुलभ हों। उनका लक्ष्य इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणालियों को बढ़ावा देना है, जिससे भारत कम नकदी-निर्भर समाज की ओर अग्रसर हो। वे अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के लिए नवाचार और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

अस्सी के दशक के मध्य और नब्बे के दशक की शुरुआत में, RBI ने भुगतान प्रणालियों को बेहतर बनाने के लिए प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान पेश किए। लागत-प्रभावी विकल्पों की आवश्यकता को समझते हुए, उन्होंने 1990 के दशक में थोक और दोहराव वाले भुगतानों को संभालने के लिए इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग सर्विस (ECS) शुरू की। सितंबर 2008 तक यह राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग सर्विस (NECS) में विकसित हो गया, जिसने लाभार्थी खातों में कई क्रेडिट को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने के लिए कोर बैंकिंग समाधानों का उपयोग किया।

खुदरा निधि हस्तांतरण की सुविधा के लिए, RBI ने 1990 के दशक में व्यक्तियों के बीच इलेक्ट्रॉनिक धन हस्तांतरण के लिए एक प्रणाली शुरू की। नवंबर 2005 में, उन्होंने एकसे-एक निधि हस्तांतरण के लिए एक मजबूत प्रणाली शुरू की, जो व्यक्तियों और निगमों दोनों को सेवा प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, वस्तुओं और सेवाओं के लेन-देन के लिए स्मार्ट कार्ड, इंटरनेट वॉलेट, मोबाइल खाते और पेपर वाउचर जैसे प्रीपेड उपकरण पेश किए गए। मोबाइल बैंकिंग दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, चयनित बैंकों को RBI की स्वीकृति के साथ ये सेवाएँ प्रदान करने की अनुमति दी गई।

भारत में पिछले दशक में कई तकनीकी विकास हुए हैं (कोली, सिंह, और नवरत्न, 2017) इसी तरह 2014 में JAM ट्रिनिटी आई जो भारत सरकार द्वारा की गई एक परिवर्तनकारी सामाजिक-आर्थिक पहल है जो तीन प्रमुख तत्वों को जोड़ती है: जन धन योजना (JDY), आधार, और मोबाइल नंबर। ये तीन घटक डिजिटल रूप से सशक्त और समावेशी समाज की नींव रखते हैं। स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की संख्या 2011 में केवल 59.08 मिलियन से बढ़कर 2024 में 1080 मिलियन हो गई है। इलेक्ट्रॉनिकीकरण को सुविधाजनक बनाने के लिए, भारतीय रिजर्व बैंक ने डिजिटल लेनदेन को जोरदार तरीके से बढ़ावा देने के लिए छत्र संगठन, भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) की स्थापना की (सुरेश चंद्रा , 2015) जिसने आगे यूनाइटेड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) और भारत इंटरफेस फॉर मनी (BHIM) को लॉन्च किया

डिजिटल बैंकिंग की ओर बदलाव इलेक्ट्रॉनिक लेन-देन में लगातार वृद्धि से चिह्नित है। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, पिछले दशकों में इलेक्ट्रॉनिक चैनलों के माध्यम से किए गए लेन-देन की मात्रा और मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। डिजिटल भुगतान 2014 में 1.2 बिलियन लेन-देन से बढ़कर 2022 में 40 बिलियन से अधिक हो गया है, जो लगभग 60 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) को दर्शाता है। इस बदलाव ने लेन-देन की लागत को कम कर दिया है और एक बड़े आबादी वर्ग के लिए बैंकिंग पहुँच को बढ़ा दिया है।

नई तकनीकें अपनाने से बैंकों को कई तरह से लाभ हुआ है। इंटरनेट बैंकिंग के कारण लागत में भारी कमी आई है और विभिन्न माध्यमों से राजस्व अर्जित करने में मदद मिली है। RBI की रिपोर्ट के अनुसार, ATM की संख्या 2012 में 96,000 से बढ़कर 2024 में 2.82 लाख हो गई है, मासिक राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (NEFT) लेनदेन मार्च, 2012 में 271 लाख से बढ़कर मार्च, 2024 में 7939 लाख हो गए हैं, RTGS (रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट) लेनदेन की मात्रा 2012 में 63.39 लाख से बढ़कर मार्च 2024 में 123 लाख हो गई है, मोबाइल बैंकिंग लेनदेन की मात्रा मार्च 2012 में 31.23 लाख से बढ़कर मार्च 2024 में 128625 लाख हो गई है, यूनाइटेड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) लेनदेन मार्च 2017 में 6.37 मिलियन से बढ़कर मार्च 2024 में 13440 मिलियन हो गए हैं।

हाल के डेटा भारत में डिजिटल बैंकिंग में हुई उल्लेखनीय प्रगति को उजागर करते हैं। मई 2023 में अकेले PI प्लेटफ़ॉर्म ने रू. 13.35 ट्रिलियन मूल्य के 8.5 बिलियन से अधिक लेनदेन संसाधित किए। स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के YONO और ICICI बैंक के iMobile जैसे मोबाइल बैंकिंग ऐप ने लाखों उपयोगकर्ताओं को आकर्षित किया है, जो डिजिटल चैनलों के लिए बढ़ती प्राथमिकता को दर्शाता है। जैसे-जैसे तकनीक विकसित होती जा रही है, भारतीय बैंकिंग क्षेत्र दक्षता, समावेशिता और ग्राहक संतुष्टि की नई ऊँचाइयों को प्राप्त करने के लिए तैयार है, जो इसे अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक मॉडल बनाता है।

जैसा कि हमने बैंकिंग सिस्टम में कई तकनीकी प्रगति देखी है जैसे कि आधार सक्षम भुगतान प्रणाली (AePS), भारत बिल भुगतान प्रणाली (BBPS), राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक टोल क्लीयरेंस (NETC), और प्रीपेड इंस्ट्रूमेंट्स (PPI) और 'कहीं भी बैंकिंग' की सुविधा के कारण उपयोगकर्ताओं की संख्या में भी वृद्धि हुई है। बैंकिंग में प्रौद्योगिकी के उपयोग ने मानवीय त्रुटियों को भी कम किया है। एक मजबूत रिपोर्टिंग प्रणाली को सक्षम करने के लिए किसी भी समय डेटा तक पहुँचना और उसका विश्लेषण करना संभव है।

यह नवीन बैंकिंग कई तरह के लाभ प्रदान करती है जो वित्त प्रबंधन को बहुत आसान और अधिक कुशल बनाती है। यह बेजोड़ सुविधा प्रदान करता है, जिससे आप किसी भी समय कहीं से भी लेनदेन कर सकते हैं। यह एक लागत प्रभावी समाधान है, जो अक्सर पारंपरिक बैंकिंग की तुलना में बेहतर दरें और कम शुल्क प्रदान करता है। आपकी वित्तीय जानकारी और सेवाओं तक त्वरित और निरंतर पहुँच के साथ बैंकिंग प्रक्रिया की गति में काफी सुधार हुआ है।

बैंकिंग में प्रौद्योगिकी का उपयोग बेहतर फंड प्रबंधन को सक्षम बनाता है, जिससे आपको अपनी उंगलियों पर अपने वित्त पर नियंत्रण मिलता है। यह 24/7 उपलब्ध है, यह सुनिश्चित करता है कि आप जब भी ज़रूरत हो अपने खातों का प्रबंधन कर सकें। असीमित गतिशीलता आपको चलते-फिरते बैंकिंग करने की अनुमति देती है, जिससे आपकी सुविधा बढ़ती है और आपका बहुमूल्य समय बचता है। एक स्व-सेवा चैनल के रूप में, यह आपको शाखा में जाने की आवश्यकता के बिना, अपनी बैंकिंग आवश्यकताओं को स्वतंत्र रूप से संभालने का अधिकार देता है।

तकनीकी नवाचार को पूरी तरह से समझने और उचित ठहराने के लिए, इनफिनटेक विकासों को मापना आवश्यक है ताकि इन प्रौद्योगिकियों की समग्र प्रगति को व्यवस्थित तरीके से देखा जा सके। जैसा कि हम जानते हैं कि चीन और अमेरिका वित्तीय प्रौद्योगिकी/ फिनटेक नवाचारों में सबसे आगे हैं और इन प्रगति को मापने के लिए एक सूचकांक विकसित किया है। भारत में भी इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण नवाचार हैं, जो इसके विकास को मापने और ट्रैक करने के लिए एक समान सूचकांक की आवश्यकता को उजागर करता है। भारत को भी उसी रास्ते पर चलना चाहिए क्योंकि हम5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं।

बैंकिंग क्षेत्र में तकनीकी/ फिनटेक प्रगति के प्रभाव को समझने के लिए सटीक और व्यापक डेटा प्रबंधन आवश्यक है। बैंकों को सभी प्रासंगिक मीट्रिक पर डेटा एकत्र करने के लिए अपने मौजूदा आईटी बुनियादी ढांचे का लाभ उठाना चाहिए। इसमें लेन-देन के विभिन्न तरीके, लेन-देन का मूल्य, लेन-देन की मात्रा, लेन-देन की विफलता, सुरक्षा उल्लंघन, वित्तीय धोखाधड़ी और अन्य संबंधित रिकॉर्ड शामिल हैं। इस डेटा को अनुक्रमित करके, बैंक रुझानों की पहचान कर सकते हैं, प्रदर्शन को माप सकते हैं और अपनी डिजिटल पहलों की प्रभावशीलता का आकलन कर सकते हैं।

(लेखक त्रयी में डॉ. मयुरा केमकर सहायक प्रोफेसर, एमबीए विभाग, एसजी एसआईटीएस, इंदौर, डॉ. वाणीकी जोशी, लोहानी, सहायक प्रोफेसर, अटल बिहारी वाजपेयी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड आंत्रप्रेन्योरशिप, जेएनयू तथा पंकज यादव,शोधार्थी, अटल बिहारी वाजपेयी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड आंत्रप्रेन्योरशिप, जेएनयू हैं)

कलेक्टर-एसपी की तत्परता से गुजरात से मुक्त कराए 7 मजदूर

बैतूल। कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी और एसपी निश्चल झरिया की पहल पर कोतवाली बैतूल से गठित टीम ने गुजरात के भचाऊ में बंधक बनाए गए 7 मजदूरों को सफलतापूर्वक मुक्त कराकर बैतूल लाया है। मजदूरों को ठेकेदार और कंपनी के कब्जे से निकालने के लिए टीम को गुजरात भेजा गया था। जन साहस संस्था और श्रम विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका इस अभियान में रही। मजदूरों के परिजनों ने जन साहस संस्था से संपर्क किया था। जिसके बाद संस्था की जिला समन्वयक पल्लवी टाकरकर ने परिजनों के साथ कलेक्टर को आवेदन दिया। जिसमें मजदूरों को सकुशल वापस लाने की गुहार लगाई गई थी। मुक्त कराए गए मजदूरों में संजू नर्रे (50 वर्ष), मनौती धुर्वे (28 वर्ष), देवेंद्र गाडगे (25 वर्ष), श्रीकृष्ण धुर्वे (23वर्ष) और नीलेश उईके (25 वर्ष), महेश चढ़ोकार ,सुरसेन धुर्वे शामिल हैं।

यह सब्जबाग दिखा कर ले गए- एजेंट जितेंद्र कुमरे ने 24 मई 2024 को इन मजदूरों को 18000 रुपये प्रति माह के अच्छे काम का वादा करके गुजरात भेजा था। ठेकेदार जितेंद्र ने मजदूरों को काम पसंद न आने पर घर लौट सकते हैं, यह कहा था। लेकिन, बाद में मजदूरी का भुगतान न करने और घर जाने पर गाली-गलौच व मारपीट की धमकी देने लगे। मजदूरों के मोबाइल भी छीन लिए गए थे। किसी तरह से दूसरे के मोबाइल से परिजनों को संपर्क कर मजदूरों ने अपनी स्थिति बताई।

परिजनों ने बताई थी व्यथा- प्रभूढाना के देवप्रकाश गाडगे और कृष्णा धुर्वे राम घाटी की मनौती धुर्वे सहित सभी मजदूरों के परिजन जन साहस संस्था से मिले थे। एजेंट जितेंद्र कुमरे ग्राम लावन्या, ब्लॉक बैतूल, मध्यप्रदेश के निवासी हैं। जिन्होंने मजदूरों को ठेकेदार जितेंद्र भाई के पास भचाऊ, जिला कच्छ, गुजरात भेजा था।

बंधक बनाकर कराया जाता था काम- मजदूरों ने बताया कि उन्हें काम पसंद न आने पर घर लौटने की अनुमति थी, लेकिन ठेकेदार ने उन्हें बंधक बना लिया। जो मजदूर भागने की कोशिश करते थे, उन्हें पकड़कर मारा जाता था। सभी मजदूरों के मोबाइल छीन लिए गए थे। मजदूरों को सकुशल वापस लाने के लिए जन साहस संस्था और श्रम विभाग ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रशासन का माना संस्था ने आभार- जिला कलेक्टर के निर्देश पर एसपी निश्चल झारिया ने कोतवाली से एक टीम गठित कर गुजरात भेजी, जहां से मजदूरों को मुक्त कराकर बैतूल लाया गया। इस सफलता पर मजदूरों के परिजनों ने जिला प्रशासन और जन साहस संस्था का धन्यवाद किया है। मजदूरों को सकुशल वापस लाए जाने पर जन साहस की जिला समन्वयक पल्लवी टकराकर ने जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. भट्ट का दुखद निधन

सीएमएचओ कार्यालय में दी श्रद्धांजलि

बैतूल। स्वास्थ्य विभाग में जिला टीकाकरण अधिकारी के पद पर पदस्थ डॉ अरविंद भट्ट का आकस्मिक निधन हो गया। डॉ भट्ट के निधन की खबर की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग में शोक की लहर दौड़ पड़ी। सोमवार शाम को 6 बजे सीएमएचओ कार्यालय में डॉ भट्ट को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सहित जिला अस्पताल के समस्त डॉक्टर एवं प्रइवेट हॉस्पिटल के उपस्थित थे। सीएमएचओ डॉ रविकांत उईके ने बताया कि डॉ. भट्ट भोपाल में एक मीटिंग में शामिल होने के लिए गए थे, इसी दौरान वे अचानक गिर गए। जिससे उनके सिर में गंभीर चोट लगी थी। चोट लगने के बाद सिर में खून का थक्का बन गया था। डॉ भट्ट का पहले जेपी हॉस्पिटल भोपाल और उसके बाद भोपाल के बंसल हॉस्पिटल में ब्रेन का ऑपरेशन किया गया। 10 जुलाई को ऑपरेशन के बाद वे कोमा में चले गए। लगभग एक पखवाड़े तक वे भोपाल अस्पताल में ही भर्ती रहे। सोमवार दोपहर को अचानक दुखद खबर आई कि उपचार के दौरान डॉ भट्ट का निधन हो गया। डॉ भट्ट पहले जिला चिकित्सालय में ईएमटी के पद पर पदस्थ थे। इसके बाद उन्हें जिला टीकाकरण अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई। डॉ भट्ट के अच्छे कार्य और व्यवहार कुशल होने के कारण इनकी हर कोई तारीफ करने से नहीं चुकता था। कोरोना महामारी में डॉ भट्ट ने रिकार्ड टीकाकरण कर लोगों को कोरोना जैसी महामारी से सुरक्षित किया। डॉ भट्ट के निधन पर बैतूल के जनप्रतिनिधियों सहित गणमान्य नागरिकों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है।

गोल्ड मेडल से सम्मानित होंगी पूजा सोलंकी

एमए अंग्रेजी में विवि की सूची में पाया द्वितीय स्थान

बैतूल। पीएचडी करने का लक्ष्य लेकर चलने वाली पूजा सोलंकी ने एमए अंग्रेजी से परीक्षा उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की है। उन्हें शंकर शाह विश्वविद्यालय की सूची में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। उनकी इस सफलता पर उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा गोल्ड मेडल से नवाजा जाएगा।

राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा की मेरिट लिस्ट में पूजा सोलंकी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। पूजा सोलंकी ने एमए अंग्रेजी साहित्य में 900 में से 716 अंक प्राप्त किए हैं। बैतूल के स्व. विजय सोलंकी की पुत्री पूजा सोलंकी बैतूल ने एमएलबी से कक्षा 12 वीं तक की शिक्षा हासिल की है। इसके पश्चात जेएच कालेज से अंग्रेजी साहित्य में एमए किया है। पूजा की इस उपलब्धि पर विश्वद्यालय द्वारा 18 सितम्बर को दीक्षांत समारोह के दौरान उन्हें गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा। पूजा की इस सफलता पर उन्हें परिजनों, ईष्टमित्रों, स्वजातीय बंधुओं, शुभचिंतकों, गुरुजनों ने शुभकामनाएं दी हैं।

मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे ताप्ती वार्डवासियों के सब्र का बांध टूटा

गुस्साए वार्डवासी अधिकारियों पर बरसे

बैतूल / मुलताई। मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे ताप्ती वार्ड वासियों के धैर्य का बांध टूटता जा रहा है । आज बड़ी संख्या में ताप्ती वार्ड वासी नगर पालिका एवं एसडीएम कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने अधिकारियों को ज्ञापन देकर वार्ड की मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग की। ताप्ती वार्डवासी जीन में बड़ी संख्या में

महिलाएं भी शामिल थी पार्षद निर्मला उबनारे के साथ नगर पालिका पहुंची और अधिकारियों से कहा कि रोड के नाम पर दलदल है स्टेट लाइट नहीं है घरों में पानी घुस रहा है घर के सामने तालाब बन गए हैं जहरीले सांप बिच्छू ने जीना दुश्वार कर रखा है और नगर पालिका कोई हल निकालने के लिए तैयार नहीं जबकि नगर पालिका हमसे सभी प्रकार के टैक्स वसूलती है। ज्ञापन के माध्यम से वार्ड वासियों ने बताया कि ताप्ती वार्ड वासी विगत कई वर्षों से यहां निवास कर रहे है। परन्तु आज भी रोड, पानी और बिजली पोल नहीं होने के कारण रात्री में मोहल्ले में अंधेरा पसारा रहता है । बारिश पानी में अंधेरे के कारण घर से बाहर निकलना मुश्किल होता है। स्ट्रीट लाईट नहीं होने के कारण रात्री में सांप व अन्य विषैले जीव आए दिन निकलते रहते है। जिससे वार्ड में निवासरत सभी नागरिकों, बच्चों, महिलाओं में भय बना रहता है। साथ ही सड़क नहीं होने से बच्चों को स्कुल जाने में भी परेशनी का सामना करना पडता है। वहीं ताप्ती वार्ड में अनेकों जगह जल भराव की समस्या सामने आ रही है। सीवर लाइन के लिए खोदी गई सड़क अब दलदल और कीचड़ में तब्दील हो चुकी है। जहा से लोगो का गुजरना मुस्किल हो चुका है। लोगो में इन समस्याओं को लेकर जमकर आक्रोश दिखाई दिया। नगर पालिका में इन समस्याओं को लेकर अधिकारियो, कर्मचारियों और नागरिकों में जमकर बहस हुई। ज्ञापन सौंपने वालों में बसंत पवार, इंद्र सिंह, निर्मल बाई ,सुरेश बारंगे ,मुन्नालाल देशमुख, सुरेश भादे, प्रियंका लोखंडे, गोलू मानेकर, महावीर पाटिल आदि प्रमुख है।

मप्र पर्यटन क्विज प्रतियोगिता में सीएम राइज विद्यालय बैतूल बाजार ने लहराया परचम

153 विद्यालय में से बना विजेता, अब राज्य स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता में होंगे शामिल

बैतूलबाजार। लहरों से डरकर नौका पार नही होती, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। यह कथन सीएम राइज विद्यालय बैतूल बाजार की टीम ने मप्र पर्यटन क्विज में चरितार्थ किया। स्कूल शिक्षा विभाग एवं मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा स्कूली बच्चों में मध्यप्रदेश की खूबियों, पर्यटन स्थलों, नदियों एवं पुरातात्विक धरोहरों को जानने के लिए पर्यटन क्विज का आयोजन किया जाता है, जिसमें जिले के 153 स्कूलों ने रजिस्ट्रेशन किया था। प्रथम राउंड में लिखित परीक्षा का आयोजन सुबह 10 बजे से 12 बजे तक किया गया। इस लिखित परीक्षा सभी 153 स्कूलों की टीमों ने भाग लिया जिसमें से सुपर-6 टीमों का चयन हुआ। जिसमें सी.एम. राइज शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैतूल-बाजार की टीम कु. तृप्ति मालवीय, कक्षा 12वीं कला संकाय, कु. चित्रा राठौर कक्षा 11वीं जीव विज्ञान संकाय, एवं अथर्व वर्मा कक्षा 10वीं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मल्टीमीडिया राउंड दोपहर 3 बजे से प्रारंभ हुआ। जिसमें संगीत, कला, साहित्य, पर्यटन, नृत्य, लोक संस्कृति आदि से संबंधित सवाल पूछे गए। मल्टीमीडिया राउंड में 10 राउंड प्रश्नों की श्रृंखला बहुत ही रोचक तरीके से संगीत एवं फिल्मांकन किए हुए विभिन्न प्रश्नों का जवाब देते हुए 6 टीमों में

से सी.एम.राइज विद्यालय बैतूल बाजार की टीम ने 253 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि इस रोमांचक मुकाबले में सी.एम. राइज विद्यालय की टीम ने अंतिम समय में लाइफ लाइन का उपयोग किया जिसमें मार्गदर्शक शिक्षिका प्रीति पोटफोड़े द्वारा प्रश्नो का सही जवाब देकर प्रतियोगिता में बढ़त हासिल की और टीम विजेता बनी। विजेता और उपविजेता टीम को म.प्र. टूरिज्म बोर्ड की ओर से चयनित पर्यटन स्थल पर 3 दिवस और 2 रात्रि का भ्रमण कराया जाएगा। क्विज में प्रथम स्थान प्राप्त करने के बाद सी.एम. राइज विद्यालय बैतूल बाजार की टीम राज्य स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में शामिल होगी। छात्रों की इस उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ. साधना हेंड द्वारा बधाई प्रेषित की गई एवं मार्गदर्शक प्रीति पोटफोड़े एवं सहयोगी शिक्षक कुंडलिक निरापुरे द्वारा बधाई दी गई एवं संस्था के द्वारा विजेता टीम का प्रार्थना सभा में अभिनंदन किया गया।

महाराष्ट्र से सैकड़ों किलोमीटर पैदल पदयात्रा कर नागद्वारी पहुंचेंगे श्रद्धालु

जगह-जगह हो रहा है यात्रियों का स्वागत

बैतूल / मुलताई। सावन मास के प्रारंभ होते ही पचमढ़ी स्थित 10 दिवसीय प्रसिद्ध नागद्वारी मेला प्रारंभ हो जाता है। जहां मध्य प्रदेश महाराष्ट्र से हजारों की संख्या में श्रद्धालु मुलताई क्षेत्र से गुजरते हैं। इस दौरान क्षेत्र की सड़कों पर भी श्रद्धा का अनोखा सैलाब दिखाई देता है। विशेष तौर से महाराष्ट्र से सैकड़ों किलोमीटर का पैदल सफर तय कर यह श्रद्धालु मुलताई पहुंचते हैं और यहां से पैदल सैकड़ो किलोमीटर का सफर तय कर पचमढ़ी प्रसिद्ध नागद्वारी मेला पहुंचते हैं। क्षेत्र क्षेत्र के लोग इन पद यात्रियों का जगह-जगह

स्वागत करते हैं। कुछ मंडल ऐसे भी है जो वर्षो से यह पदयात्रा कर रहे हैं। इनमें से एक है हरिहर मंडल नागपुर के भक्त मंडली जो 9 वर्ष से प्रसिद्ध नागद्वारी की पैदल यात्रा कर रहे है। इन पद यात्रियों में ज्योतिष लोग शामिल है। पदयात्रा बताते हैं कि उनकी यात्रा वासुकी शेष महाराज मंदिर हिंगना नागपुर गेडाम लेआउट से शुरू होती है और नागद्वारी मंदिर पहुंचकर समाप्त होती है। आज इन पद यात्रियों का जत्था निकटतम ग्राम दुनावा पहुंचा जहां प्रकाश सूर्यवंशी और सहयोगियों ने उनका स्वागत कर उन्हे स्वल्पाहार कराया। पदयात्री बताते हैं कि देवाधि देव महादेव की नगरी कहलने वाली पचमढ़ी में हर साला मेला आस्था और दिव्यता के लिए आता है ।आस्था के इस समागम में नागद्वारी पहुंचकर नागराज के दर्शन को बाबा अमरनाथ के दर्शन के समान माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि श्रावण मास के दौरान नागद्वारी मंदिर में दर्शन करने से कालसर्प दोष दूर होता है। यह मेला 23 जुलाई इस से शुरू हुआ है और 3 अगस्त तक चलेगा और हजारों श्रद्धालु मार्ग की अनेक कठिनाइयों को भूलकर भोले बाबा के जयकारों के साथ आगे बढ़ते जाएंगे ।

रामधुन पाठ के साथ औषधीय पौधे किए वितरित

बैतूल। राम नाम की धुन अपने आप में औषधि है ऐसे में औषधीय पौधों का वितरण सोने पर सुहागा का काम करती है। बैतूल बाजार निवासी धीरेंद्र वर्मा धीरु ने अपनी माताजी स्व.श्रीमति

सुशीला बाई पटेल की श्रद्धांजलि में आए सामाजिक बंधुओं को अखिल विश्व गायत्री परिवार बैतूल द्वारा चलाए जा रहे वृक्ष गंगा अभियान के तहत राम धुन का पाठ के साथ 108 औषधीय पौधे वितरित किए। पटेल परिवार ने मृत्यु भोज ना कराते हुए पर्यावरण की दिशा में यह प्रशंसनीय कदम उठाया। इस मौके पर उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि सभी को ऐसे कार्य अनुकरणीय हैं। इस अवसर पर पटेल परिवार के सुरेश वर्मा, महेश वर्मा, उमेश वर्मा, धीरेंद्र वर्मा, ऋषि वर्मा, सनद वर्मा सहित बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित थे।

ब्रह्माकुमारीज के भाग्य विधाता भवन में काव्य संध्या का आयोजन

शहर की कवियित्रियों ने अपनी रचनाओं से बांधा समा

बैतूल। साहित्य सृजन कुंज द्वारा अभिरुचि 2024 काव्य संध्या आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्माकुमारीज के भाग्य विधाता भवन में किया गया जिसमें मुख्य अतिथि कमला जोशी, विशिष्ट अतिथि महजबीन खान (ए डी जे), तथा कार्यक्रम की प्रेरणा स्रोत बी के मंजू दीदी रही। रविवार शाम को आयोजित इस कार्यक्रम में सृजन सखियों ने अपनी काव्य रचनाओं की प्रस्तुति देकर समा बांधा। प्रकृति, मां,पर्यावरण, पिता, नारी, संबंध आदि विषयों पर काव्य रचनाएं की थी। सभी ने अपनी रचनाओं के द्वारा इन विषयों की बड़ी सुंदर अभिव्यक्ति की। कार्यक्रम की संयोजक मीरा एंथोनी, उपाध्यक्ष विद्या निर्गुरकर, अध्यक्ष अरुणा पाटणकर, कोषाध्यक्ष प्रतिभा देशपांडे सहित सरोजिनी

कावले, माधवी ठाकुर, विजी अशोक मंजू लंगोटे प्रसाद, मीना चंदे, मधुबाला देशमुख, डॉ. प्रार्थना पंडित मालविय, ज्योति पांसे, दीपा मालविय संगीता राठौड़ ने अपनी प्रस्तुतियां दी। आयोजन में ब्रह्माकुमारी दीदियों द्वारा सभी को सम्मानित किया गया तथा समापन पर सभी अतिथियों को ईश्वरीय सौगात और प्रसाद वितरित किया गया।

सड़क पर गड्ढे नहीं भरे जाने से राहगीर परेशान, जिम्मेदार बरत रहे लापरवाही

बैतूल/भौरा। फोर लेन नगर के बाहर बाईपास होकर निकलने के बाद से नगर के अंदर से गुजरने वाली सड़क की हालत जर्जर हो चुकी है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं जिस पर आए दिन लोग हादसों के शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों की इस समस्या के बावजूद संबंधित विभाग के अधिकारी इस तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। सड़क पर जगह-जगह बने गड्ढों को भरने के लिए भी विभाग द्वारा कोई पैच वर्क का काम नहीं किया जा रहा है। जगह-जगह सड़क टूटने से लोगों को भारी मुश्किलों से जूझना पड़ रहा है। वही एनएचएआई के अधिकारी पीडब्ल्यूडी विभाग को नगर के अंदर की पुरानी रोड को हैंडओवर करने का हवाला देकर अपने कर्तव्य से इति श्री कर लेते हैं और मरम्मत करने से इनकार कर रहे हैं वही पीडब्लूडी विभाग का कहना है कि पुरानी रोड की मेंटेनेंस की जवाबदारी अभी एनएचएआई के पास ही है क्योंकि हमें हैंडोवर अभी नहीं हुई है।

नगर के मुख्य बस स्टैंड के पास मेन रोड के बीच सड़क पर बहुत बड़ा गड्ढा बन गया है, जिससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसा ही हाल शासकीय हॉस्पिटल को जोड़ने वाली रोड के पास है, जहाँ बीच सड़क पर गड्ढे बन गए हैं, जो हमेशा हादसे को आमंत्रित कर रहे हैं। वहीं बीजादेही को जाने वाली रोड के पास बड़े गड्ढे हो गए हैं। मां बीजासेन नदी के पुल पर भी बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जो कभी भी बड़ा हादसा घटित करा सकते हैं। राधा कृष्ण मंदिर, बजरंग मंदिर और काष्ठागार डिपो के सामने भी ऐसे ही गड्ढे बने हुए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की हालत देखकर खुद अनुमान लगाया जा सकता है कि संबंधित विभाग कितना लापरवाह है। सड़क की हालत बद से बदतर हो चुकी है। जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे होने के कारण हर दिन वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं, जिसका शिकार आम जनता हो रही है, लेकिन संबंधित विभाग इस तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

लोगों ने कहा- जिम्मेदार कर रहे अनदेखी- नगर के भाजपा मंडल उपाध्यक्ष एवं ग्राम पंचायत के पंच जय किशोर मिश्रा, दीपक उपाध्याय, संजीव विजयकर, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष दिलीप माधव, गौरव पटवा, राजेंद्र कावड़कर, संजीव राठौर, बबलू दुबे, महादेव मसकोले ने बताया कि नगर के अंदर से गुजरने वाली मेन सड़क की हालत बारिश में खराब हो गई है। रोड पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। जैसे ही कोई तेज रफ्तार वाहन चालक गड्ढों से होकर निकलता है, तो अचानक वाहन का पहिया गड्ढे में गिरते ही चालक अनियंत्रित हो जाता है और हादसे का शिकार हो जाता है। लेकिन जिम्मेदारों को लोगों की समस्या से कोई लेना-देना नहीं है। सड़क के बीचों-बीच जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं, जिससे आने-जाने वाले तथा राहगीरों को भी परेशानियाँ हो रही हैं। ऐसे में कभी भी कोई दुर्घटना हो सकती है। संबंधित विभाग द्वारा न तो उसमें मुरम डाली गई है न ही डामर डाला गया है। पूरी सड़क पर गड्ढे ही गड्ढे होने के कारण सड़क खस्ताहाल हो गई है, जो मुसीबत की जड़ बन गई है। लेकिन जिम्मेदार इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

इनका कहना-

नगर के अंदर बाली रोड हमारे पास नहीं है। पीडब्ल्यूडी ने एस्टीमेट बनाकर दे रखा है। भौरा, पाडर, शाहपुर तीनों जगह का। जब वह पैसा और पूरा कंप्लीट कर देंगे। तभी हम रोड को हैंडोवर लेंगे।

- राकेश सर्वे, एसडीओ पीडब्ल्यूडी बैतूल

नगर के अंदर वाला पुराना रोड पहले नेशनल हाईवे था। अब बाईपास निकलने से नया रोड नेशनल हाईवे हो गया है। पुराने रोड के पीडब्ल्यूडी को ट्रांसफर होना है लेकिन अभी नहीं हुआ है। ट्रांसफर की प्रक्रिया पेंडिंग में इसलिए अभी किसी की भी जवाबदेही तय नहीं हो पा रही है। जो भी हो सकता है वह गड्ढे भरवाने के लिए प्रयास करेंगे।

- अभिजीत सिंह , एसडीएम शाहपुर

कश्मीरी हिंदू बलिदान दिवस पर 1 सितंबर को धार में निकलने वाली भगवा यात्रा को लेकर हुई बैठक

● भगवा यात्रा को लेकर तैयारियां शुरू

धार। कश्मीरी हिंदू बलिदान दिवस पर 1 सितंबर को धार में निकलने वाली भव्य और ऐतिहासिक भगवा यात्रा को लेकर बैठक हुई। बैठक में भगवा परिवार के संस्थापक देवकरण जाट ने बताया की यात्रा विगत 10 वर्षों से निकली जा रही है। यात्रा का उद्देश्य कश्मीर से प्रताड़ित हिंदुओ को वापस कश्मीर में स्थापित किया जाए। एवं कश्मीर जैसी स्थिति हमारे गांव, हमारे नगर व हमारे जिले में निर्मित ना हो। हिंदू धर्म और हिंदू समाज पर हो रहे चौतरफा अत्याचार, हमारे धार्मिक स्थलों के संरक्षण व युवा पीढ़ी में स्वाभिमान का जागरण हो तथा हिंदुत्व पर होने वाले अत्याचारों का हम सब मिलकर प्रतिकार कर सके। उन्होंने कहा कि हमारे देश व धर्म की रक्षा हो व हिंदू स्वाभिमान का जागरण हो इस उद्देश्य को लेकर यात्रा का आयोजन किया जाता है।

यात्रा के संरक्षक समंदर सिंह पटेल, उटावद (समाजसेवी) दिलीप पटौंदिया (भाजपा, किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री)

ममता जोशी (पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष)

यात्रा प्रभारी धर्मेंद्र जोशी (सर्व ब्राह्मण समाज , कार्यकारी अध्यक्ष)

महेंद्र सुनेर, रीमा राठौर (एडवोकेट)

यात्रा संयोजक दीपक शर्मा (जिला संयोजक, भाजपा आईटी,सेल) राजेंद्र जाट जेतपुरा, भगवा परिवार जिला अध्यक्ष डॉ योगेश डोकरिया,भगवा परिवार नगर अध्यक्ष (इंजीनियर)विकास चौहान एवं बाबूलाल फौजी

एडवोकेट लीलाधर दादक , बलराम फोजी, अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संचालन चेतन खेर एवं विकास मुकाती ने किया।

आभार (इंजीनियर) रोहित शर्मा ने माना

श्रीरंग वेयरहाउस में तुलाई के अभाव में राज्य मार्ग पर दो घंटे जाम , किसानों ने गाया रघुपति राघव राजा राम

हीरालाल गोलानी सोहागपुर

सोहागपुर विधानसभा के किसानों के साथ दौयम व्यवहार करने से आज पुनः सेमरीहरचंद के पास माखननगर ब्लाक के श्रीरंग गोदा वेयरहाउस के किसानों के सब्र का बांध टूट गया जो विगत करीबन 8 दिनों से अपनी मूंग की फसल बैचने को अपनी ट्रेक्टर ट्राली के साथ वहां उपस्थित थे। देखते-देखते ही वहां सैकड़ों किसानों ने बीच पिपरिया नर्मदापुरम राज्य मार्ग 22पर ग्राम गुडारिया पर जाम कर दिया। किसानों ने रास्ते में बबूल के काटे भी सड़क पर रख दिए। इससे सड़क के दोनों तरफ करीबन दो किलोमीटर दूर तक जाम लग गया। क्षेत्र के किसान नेता यशवंत राजपूत की अगुवाई में परेशान किसानों की समस्याओं को लेकर जाम किया गया। सूचना मिलते

ही सोहागपुर एसडीओ पुलिस संजू चौहान के अलावा माखननगर तहसीलदार एवं प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने सभी को समझाईस दी। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों सेमरी हरचंद में महालक्ष्मी वेयरहाउस के सामने तुलाई नहीं होने के कारण चक्का जाम किसानों ने कर दिया था। जो भी क्रियाकलाप सोहागपुर विधानसभा के सोहागपुर ब्लाक या आस-पास हो रहे हैं। इससे भाजपा के प्रति आस्था में कमी होती जा रही है ?।

क्या कहते हैं यशवंत राजपूत- किसान मूंग तुलाई में विभिन्न समस्याओं आ रही हैं।जिन किसानों के स्लाटर बुक हैं। उनकी तीन, तीन दिनों से तुलाई नहीं हो पा रही है। सैकड़ों किसानों के स्लाटर बुक नहीं हो पा रहे हैं। मजबूरन किसानों को आन्दोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। इससे किसानों की उर्जा का भी ह्रास हो रहा है। किसान अपनी बौवनी करें या मूंग की फसल बैचने को प्रशासन से दो दो हाथ करे। श्री राजपूत ने बताया कि हमें तीन दिन का समय दिया गया है। यदि तीन दिन में हमारी मांगे पूरी नहीं हुई तो पुनः बड़ा आन्दोलन किया जाएगा।

आश्वासन - आन्दोलन रत किसानों को चक्का जाम खुलवाने पहुंचे। अधिकारियों ने कलेक्टर मेडम से चर्चा करने के उपरांत किसानों की समस्याओं को दो दिन में निराकरण का आश्वासन दिया है। जिसमें पुनः मूंग की तुलाई शुरू कराने एवं जो किसान जिन किसानों के स्लाइड बुक हैं उनकी मूंग 2 दिन में तुल जाएगी। मूंग की तुलाई तारीख भी बढ़ाई जाएगी।

मूंग बनी मुसीबत - सोहागपुर विधानसभा के किसानों के लिए राजनैतिक विद्वैशता के कारण मूंग की खेती करना मुसीबत का कारण बनती जा रही है। किसानों की उपेक्षा कर कारण कहीं न कहीं आगामी समय में भाजपा के वोट बैंक में गिरावट आने की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता।

सनफ्लावर स्कूल में हेल्थ पर्यावरण संस्था ने मातृशक्ति के साथ किया पौधरोपण

सुबह सवेरे सोहागपुर

सनफ्लावर स्कूल में हेल्थ पर्यावरण संस्था के तत्वावधान में मातृशक्ति के साथ किया पौधरोपण। इस अवसर पर हेल्थ पर्यावरण के ज्ञानी सुरजीतसिंह ,कृष्णा पालीवाल, डॉक्टर जोयब अली, शेख असलम, बलबीर पवार, कमलेश पुरोहित ,साहू समाज अध्यक्ष भूरा साहू , रजनीश साहू , शाला संचालक दीपक साहू, न्यायालय से

पूनम ठाकुर आदि कई मातृशक्ति उपस्थित थीं। इस अवसर पूनम ठाकुर ने पौधारोपण के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। हेल्थ पर्यावरण संस्था के ज्ञानी सुरजीतसिंह ने बताया कि हेल्थ पर्यावरण संस्था की मुहिम है कि समस्त स्कूलों में पौधे रोपने की है ।हमारी संस्था लगातार नगर के सभी स्कूलों में निरंतर पौधारोपण कर रही है। आगे भी मुहिम चलती रहेगी। स्कूलों में पौधे लगाने के उपरांत स्कूल संचालकों की निगरानी में सुरक्षित रहते हैं। हम बदलेंगे युग बदलेंगा हम सुधरेंगे युग सुधरेगा यह नारा लेकर हेल्थ पर्यावरण इस मुहिम पर काम कर रही है

मातृशक्ति संगठन द्वारा महिला सशक्तिकरण हेतु कावड़ यात्रा में मातृशक्तियों का सैलाब

सशक्त नारी ही भारत को समर्थ बनाएगी : विधायक नीना वर्मा

धार। मातृशक्ति संगठन द्वारा महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी कावड़ यात्रा का आयोजन संपन्न हुआ । कावड़ यात्रा में महिलाओं ने स्थानीय लालबाग धार से मां नर्मदा का पावन जल भरकर प्रमुख मार्गो से होते हुए नगर के अधिष्ठाता बाबा भगवान धारनाथ का जलाभिषेक किया और नगर में जनमानस के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की गई ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि धार विधायक नीना वर्मा ने कहा कि नारी शक्ति धार्मिक रूप से भी सशक्त बने एक सशक्त महिला ही शक्तिशाली और समर्थ भारत का निर्माण कर सकती है, आज की वर्तमान चुनौतियों को देखते हुए महिलाओं की धार्मिक सशक्तता आवश्यक है । मातृशक्ति संगठन की अध्यक्ष पप्पी मकवाना ने बताया कि मातृशक्ति संगठन महिला स्वालंबन और आत्मनिर्भर बनाने उनके सशक्तिकरण हेतु सामाजिक क्षेत्र में काम कर रहा है, महिलाओं के धार्मिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से इस कावड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है । कावड़ यात्रा में मुख्य रूप से धार विधायक नीना वर्मा, मातृशक्ति संगठन अध्यक्ष पप्पी मकवाना, संयोजक अनिल जैन बाबा, रेखा सोलंकी, गोपी बोरदिया, सावित्री रिंगनोदिया, रेखा सिसौदिया, शोभा ठाकुर, ज्योति राठौर, ललिता राठौर, बिंदिया, गंगाबाई आदि सहित हजारों की संख्या में महिला मातृशक्ति सम्मिलित हुई ।

ताप्ती जन्मोत्सव में भाग लेने वाली झांकियां पुरस्कृत

प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

बैतूल/ मुलताई। मां ताप्ती जन्मोत्सव को लेकर नगर पालिका द्वारा एक सप्ताह तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। इन कार्यक्रमों में विजेता छात्र छात्राओं को सोमवार नगर पालिका परिषद में सम्मानित किया गया। इसके अलावा ताप्ती जन्मोत्सव पर निकाली गई झांकिया को भी पुरुस्कृत किया गया । जिसमे ताप्ती ब्रिगेड द्वारा महाबली हनुमान जी की झांकी को विशेष पुरस्कार दिया गया। नगर पालिका अध्यक्ष ने हर वर्ष लोगों से ताप्ती जन्मोत्सव में इसी प्रकार का सहयोग मांगा । कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गढ़ेकर ने कहा कि इस बार जन्मोत्सव को भव्य बनाने में सभी का सहयोग मिला था। विशाल

झांकियों के साथ एक सप्ताह तक चली विभिन्न प्रतियोगिताओं में सभी ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया था। निबंध, चित्रकला, रंगोली, मा ताप्ती बानो, आरती थाल सजाओ जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थी। विभिन्न प्रतियोगिताओ में जिन विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था, सभी को पुरस्कार प्रदान कर उनका हौसला बढ़ाया गया है। इस अवसर पर सभापति , शिल्पा शर्मा, डॉक्टर जीए बारस्कर, महेंद्र पिल्लू जैन, पार्षद वंदना नितेश साहु, निर्मला उबनारे,रितेश विश्वकर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

शोभायात्रा में शामिल झांकियां जिन्हें मिला विशेष पुरस्कार- झाकियों में मां ताप्ती जी को झांकी, महाबली हनुमान जी की झांकी, हनुमान जी की जीवंत झाकी और शंकर जी की सेना, मां काली की झांकी एवं सामूहिक नृत्य, नव युवक जय बजरंग अखाड़े का प्रर्दशन, नवदुर्गा अखाड़े का मार्शल आर्ट, गाडगे बाबा की झांकी, बैंड और डीजे पार्टी आदि शामिल है।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में इन छात्र छात्राओं को मिला पुरस्कार- आरती थाल सजाओ कक्षा 6 से 10 में प्रथम आरुषि अशोक, द्वितीय अक्षरा जगदीश, तृतीय अनुष्का आशीष, कक्षा 11 12 से प्रथम दिव्या प्रभाकर, द्वितीय खुशबू ज्ञानदेव, तृतीय पायल अशोक। रंगोली प्रतियोगिता कक्षा 6 से 8 में क्रमशः तापीमा संभू बड़ोदे, दिवांशी दिनकर, मानवी राजकुमार। कक्षा 9 10 में क्रमशः प्रज्ञा किसनलाल, पायल कैलाश, श्रवणी राघो। कहा 11 12 में क्रमशः माही राम माहोल, प्रिया चंद्रप्रकाश, आयशा मुस्तकिम। मां ताप्ती बनो प्रतियोगिता में क्रमशः तृप्ति देवेंद्र सोनी, भाव्या विष्णु पवार, ज्ञानवी ज्ञानसिंह सोलंकी, वाद विवाद प्रतियोगिता में क्रमशः कक्षा 6 से 8 भव्य विशाल भार्गव, दिव्यांश राजीव, कक्षा 9 से 10 प्रियंका दिलीप पवार, कक्षा 11 से 12 ज्योत्सना अमित ठाकुर, सानिध्य राजेश, तन्मय नान्हू। निबंध प्रतियोगिता कक्षा 6 से 8 में क्रमशः आदित्य रामजी, युग जगदीश, तन्मय प्रकाश। कक्षा 9 से 10 में क्रमशः रूपाली भगवान सिंह, खुशी किशोरी, तरुणा ज्ञानू। कक्षा 11 12 में क्रमशः प्रिती बद्रीनाथ, गायत्री संजू, श्रद्धा भगवान सिंह। चित्रकला प्रतियोगिता कक्षा 6 से 8 में क्रमशः पारुल सुनील, नव्या महेश, फातेमा वसीम।

आगामी नेशनल लोक अदालत के संबंध में बीमा कंपनी के अधिवक्ताओं के साथ हुई बैठक

नरसिंहपुर। आगामी 14.09.2024 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक मोटर दावा क्लेम प्रकरणों में पक्षकारों के मध्य राजीनामा संभव हो सके इस उद्देष्य से दिनांक 29.07.2024 को जिला न्यायालय के सभाकक्ष मे प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीष एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री कमल जोषी की अध्यक्षता मे न्यायाधीश गणों, जिला प्राधिकरण के अधिकारी, बीमा कंपनियों एवं पक्षकारों के अधिवक्ताओं की उपस्थिति मे बैठक संपन्न हुई। उक्त बैठक मे प्रधान न्यायाधीष द्वारा बीमा कंपनियों एवं पक्षकारों के अधिवक्ताओ से वन टू वन चर्चा कर राजीनामा योग्य क्लेम प्रकरणो को चिन्हित करने व पक्षकारो से उक्त विषय पर चर्चा कर आगामी नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणो का राजीनामा के माध्यम से निराकरण करने पर जोर दिया गया। उक्त बैठक मे विशेष न्यायाधीश एवं नोडल अधिकारी नेशनल लोक अदालत श्री राजीव के.पाल, जिला न्यायाधीष, श्री अखिलेष धाकड, श्री नवीन कुमार शर्मा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री वैभव सक्सेना, बीमा कंपनी के पैनल अधिवक्ता श्री अरविन्द सोनी, पक्षकार अधिवक्ता श्री मनोज साहू, पी.एस.राजपूत, श्री अजय सिंह राठौर, श्री धर्मेन्द्र केवट, श्रीराम पटैल एवं अन्य अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

एन. सी. सी. की गतिविधियां संचालित

नरसिंहपुर। उत्कृष्ट विद्यालय नरसिहपुर में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन एवं जिला शिक्षा अधिकारी अनिल व्यौहार के मार्गदर्शन में जिले के उत्कृष्ठ विद्यालय नरसिहपुर में एन सी सी की गतिविधियां संचालित है । प्राचार्य जी एस पटेल ने बताया कि आज 1 एमपी बटालियन एनसीसी जबलपुर से हवलदार नीरज कुमार एवं नायक रमाकांत उपस्थित में एनसीसी प्रथम वर्ष में 47 में से 36 बालक एवं एनसीसी जेडी और 20 लड़कियों में से 17 जेडब्ल्यू का चयन किया गया । छात्रों की शारीरिक क्षमता को 5 मीटर शट्ल, पुश अप आदि माध्यमों से किया गया । छात्रों की शारीरिक परीक्षण में घुटनों, हाथ और पैर के पंजों की जांच उपरांत योग्य पाए गए छात्रों को खाली वेकेंसी के विरुद्ध भर्ती किया गया ।

सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद एवं राष्ट्रीय महिला जागृति मंच के संयुक्त कार्यक्रम में मानसून क्वीन प्रतियोगिता

नरसिंहपुर। रिमझिम बरसते मौसम में स्थानीय अमर पैलेस होटल में श्रीमती विवेक पांडे की अध्यक्षता में मानसून क्वीन प्रतियोगिता रखी गई। प्रतियोगिता के निर्णायक पैनल शहर के प्रतिष्ठित ब्यूटी पार्लर की संचालिका श्रीमती रईसा काज़ी, श्रीमती विनीता चौरसिया एवं शासकीय विद्यालय की वोकेशनल ट्रेनर श्रीमती योगिता चौबे एवं विशेष अतिथि श्रीमती ज्योति चौहान रहीं । सरस्वती पूजन के उपरांत कार्यक्रम की शुरुआत पार्टिसिपेंट को नियमावली समझा कर की गई। प्रतियोगिता के चार गरजते बरसते राउंड थे, प्रथम राउंड में कैटवॉक, सेकंड राउंड में रेनबो बनाना, थर्ड राउंड में मेमोरी टेस्ट और फोर्थ राउंड में सावन के गीतों की अंताक्षरी । प्रतियोगिता में 22 प्रतिभागियों ने पार्टिसिपेट किया जिनमें से सभी राउंड को सफलता पूर्वक क्रैक करके जिन प्रतिभागियों ने यह प्रतियोगिता जीती है ,उनमें बेस्ट ड्रेस श्रीमती भारती रघुवंशी, बेस्ट हेयर स्टाइल श्रीमती शिवानी दीक्षित, बेस्ट मेकअप श्रीमती मोनिका तिवारी, सेकंड रनर अप श्रीमती रजनी राजोरिया फस्ट रनर अप श्रीमती रक्षा पालीवाल एवं मानसून क्वीन 2024 का खिताब श्रीमती प्रियंका गोस्वामी जी को गया।प्रतियोगिता के गेम राउंडस् कंप्लीट कराने में वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती अरुणा दुबे जी का सहयोग रहा।कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन श्रीमती नंदिता चौबे एवं श्रीमती नीरा बुधौलिया जी द्वारा किया गया। सभी बहनों ने सावन के भजन एवं गीतों पर जम कर ठुमके लगाए।कार्यक्रम में चार चांद लगाए नगर अध्यक्ष श्रीमती सुंदर भट्ट, संरक्षक श्रीमती सरला पांडे जी, उपाध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा शुक्ला, जिला सचिव श्रीमती ज्योति तिवारी, श्रीमती संचिता दुबे, श्रीमती सपना शर्मा, श्रीमती मंजू लता पांडे ,श्रीमती शिव कुमारी तिवारी, श्रीमती मंजू दुबे ,श्रीमती शालू भाटिया, श्रीमती सुमन शर्मा, श्रीमती संगीता बेदी, श्रीमती रचना त्रिवेदी, श्रीमती नीता भारद्वाज, श्रीमती शुभावना पांडे, श्रीमती किरण तिवारी सरोज तिवारी, विंध्या तिवारी, सुश्री स्मिता श्रीवास,श्रीमती अर्चना राय, श्रीमती आराधना दुबे,श्रीमती सुनीता राजपूत, श्रीमती तनुश्री दुबे, श्रीमती सरिता जाट, श्रीमती मीना शर्मा, संगीता बेदी,श्रीमती कीर्ति पालीवाल, श्रीमती रुक्मणी ढिमोले, श्रीमती अंजना दुबे,श्रीमती प्रीति गोस्वामी, श्रीमती अंजलि साहू, मधु लता पांडे,श्रीमती सुरभि साहू, सविता महोबिया, रेनू नौरिया आप सभी सहयोगी बहनों की उपस्थिति ने।कार्यक्रम के अंत में दोनों संस्थाओं के सचिवों सचिवों नीरा नंदिता ने सभी का आभार व्यक्त किया।

हरियाली अमावस्या को शासकीय,अशासकीय गोशालाओं में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लें : महामण्डलेश्वर स्वामी श्री अखिलेश्वरानंद गिरि

धार। मध्यप्रदेश गो संवर्द्धन बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष , तपोनिधि निरञ्जनी अखाड़ा के महामण्डलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पौधारोपण आह्वान का समर्थन करते हुये , मध्यप्रदेश की सभी शासकीय, अशासकीय (पंजीकृत हों या अपंजीकृत)गोशाला ओं के संचालकों/प्रबंधकों से अपील की है कि प्रत्येक गोशाला परिसर में तीन-तीन पौधारोपण हरियाली अमावस्या के दिन अवश्य हो।उन्होंने अपनी अपील की कि एक पौधा अपनी जन्मदात्री मां के नाम,दूसरा पौधा भारत माता के नाम और तीसरा पौधा गोमाता के नाम लगायें। गोशाला ओं के अतिरिक्त हम अपने निजी खेतों में,शिक्षण संस्थाओं के रिक्त पड़े परिसर में, सार्वजनिक संस्थाओं के उद्योग,उपक्रमों तथा प्रदेश के पशुपालन विभाग के कार्यालयों,कृषि एवं पर्यावरण

विभागों की कृषि एवं उद्यानों की भूमि पर वहां के अधिकारियों की अनुमति लेकर पौधारोपण कर सकते हैं। अखिलेश्वरानंद गिरि ने प्रदेश के पूज्य धर्माचार्यों,साधु-संत, महात्माओं से भी अनुरोध किया है कि-अपने आश्रमों,मठ-मंदिरों तथा अपनी कुटीर के रिक्त पड़े स्थानों में पौधारोपण की प्रेरणा अपने भक्त,शिष्यों तथा अनुयायियों को प्रेरणा देकर ,उन सबसे पौधारोपण का पुण्यकार्य करायें। हरियाली अमावस्या जो भारतीय पंचांग की तिथियों के अनुसार श्रावण मास की अमावस्या 4 अगस्त को है भारतीय पर्व परम्परा में हरियाली अमावस्या ÷पर्यावरण संरक्षण दिवस÷है। इस दिन किया गया पौधारोपण सफल होता है । किसी भी पौधे को संरक्षण देने का कार्य प्रकृति करती है।हम मनुष्यों को तो केवल पुरुषार्थ करना होता है। जानकारी प्रकृति वात्सल्य गौ शाला समिति धार ने दी।

भोपाल की सेन्ट्रल लाइब्रेरी होगी आधुनिकीकृत

स्कूल शिक्षा विभाग के ज्ञान-समृद्ध 3 पुस्तकालय

बच्चों को मोबाइल के स्थान पर पुस्तकों के माध्यम से पढ़ाई करने के लिये किया जा रहा है प्रोत्साहित

भोपाल (नप्र)। भोपाल में स्कूल शिक्षा विभाग के 3 पुस्तकालय संचालित हो रहे है। इन पुस्तकालायों के माध्यम से नागरिकों विशेष रूप से युवाओं को समाचार पत्रों के साथ विभिन्न अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इन पुस्तकालायों के जीर्णोद्वार के लिये विभाग द्वारा विशेष प्रयास किये गये है।

शासकीय केन्द्रीय पुस्तकालय भोपाल जिसे मौलाना आजाद सेंट्रल लाइब्रेरी के नाम से जाना जाता है। इसके जीर्णोद्वार के लिये कलेक्टर भोपाल द्वारा 6 करोड़ 50 लाख रूपये का बजट उपलब्ध कराया है। बजट राशि से पुस्तकालय क्षेत्र का विस्तार, 3 मंजिला भवन निर्माण, पार्किंग व्यवस्था और नवीन फर्नीचर आदि का कार्य कराया जा रहा है। इन कार्यों के हो जाने के बाद सेंट्रल लाइब्रेरी में वर्तमान व्यवस्था के अलावा 500 और नये सदस्यों को अध्ययन सुविधा उपलब्ध होगी। मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम के द्वारा भी पुस्तकालय का अनुरक्षण एवं विकास का कार्य किया गया है। पुस्तकालय सदस्यों की मांग पर विभागीय बजट से करीब 350 नई ज्ञानवर्धक पुस्तकें क्रय कर पाठकों को उपलब्ध कराई गई है।

60 हजार पुस्तकों का है भंडार

भोपाल के न्यू मार्केट में मल्टीलेवल स्मार्ट पार्किंग के द्वितीय तल पर भोपाल जिला पुस्तकालय संचालित किया जा रहा है। इस पुस्तकालय में करीब 60 हजार पुस्तकों का संग्रह उपलब्ध है। इस पुस्तकालय में भी प्रतिदिन नागरिकों के अलावा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये युवा अध्ययन करने पहुँचते है।

जीटीबी कॉम्प्लेक्स की लाइब्रेरी में होती हैं विविध गतिविधियाँ

भोपाल के जीटीबी कॉम्प्लेक्स में स्कूल शिक्षा विभाग के अनुदान से स्वामी विवेकानन्द लाइब्रेरी संचालित हो रही है। पूर्व में यह पुस्तकालय ब्रिटिश लाइब्रेरी रूप में जाना जाता था। स्वामी विवेकानन्द लाइब्रेरी में पिछले वर्ष 2 दिवसीय फेस्टिवल में बच्चों के लिये स्टोरी टेलिंग, क्विज काम्प्टीशन और फन एक्टिविटीज का आयोजन किया गया। जिसमें विजेता रहे बच्चों को पुरस्कार वितरित किये गये। इसके साथ ही जवाहर बाल भवन और वर्ल्ड-वे इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा तीसरी से 8वीं तक के बच्चों को लाइब्रेरी द्वारा संचालित गतिविधियों की जानकारी दी गयी। बच्चों को मोबाइल के स्थान पर पुस्तकों के माध्यम से पढ़ाई करने के लिये प्रोत्साहित किया गया। लाइब्रेरी के सदस्यों की मांग पर लगभग 600 नई पुस्तकों को लाइब्रेरी के कलेक्शन में शामिल किया गया। प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 5 केन्द्रीय पुस्तकालय और 36 जिलों में जिला पुस्तकालय संचालित हो रहे है।

महाकाल को चांदी के 11 लोटे भेंट किए

वजन 4 किलो से ज्यादा ; दिल्ली के भक्त का मंदिर समिति ने सम्मान किया

उज्जैन (नप्र)। महाकाल मंदिर में दिल्ली के एक भक्त ने भगवान को जल अर्पण करने के लिए 11 नग चांदी की गंगाली अर्पित की। चार किलो से अधिक वजन के चांदी के पात्र का आज के भाव से मूल्य करीब साढ़े तीन लाख रुपए बताया गया है। मंदिर समिति ने दानदाता का सम्मान किया।

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के कोठार शाखा के कोठारी मनीष पांचाल ने बताया कि महाकाल मंदिर में सोमवार को नई दिल्ली से आए भक्त हरीश शर्मा ने मंदिर के पुरोहित नवनीत शर्मा और रूपम शर्मा की प्रेरणा से भगवान श्री महाकालेश्वर को 11 नग चांदी के लोटे (गंगाली) भेंट किए।

मंदिर समिति ने दानदाता का सम्मान किया

दानदाता से यह पात्र मंदिर समिति के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल व दर्शन व्यवस्था प्रभारी राकेश श्रीवास्तव ने प्राप्त कर रसीद प्रदान की। नंदी हॉल में भक्त परिवार का भगवान महाकाल का प्रसाद व दुपट्टा भेंट कर सम्मान किया गया। गौरतलब है कि श्रावण मास में देशभर से आने वाले भक्त भगवान महाकाल को चांदी, सोने के पात्र, मुकुट, छत्र और अन्य सामग्री के साथ ही नगद राशि का दान भी कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर हुआ राज्य स्तरीय कार्यक्रम

सौभाग्य है कि देश में सर्वाधिक बाघ मध्यप्रदेश में हैं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर बाघ प्रेमियों को बधाई देते हुए कहा है कि यह हमारा सौभाग्य है कि देश में सर्वाधिक बाघ मध्यप्रदेश में पाए जाते हैं। भोपाल देश की एकमात्र ऐसी राजधानी है जिसकी नगर निगम सीमा के आसपास बाघ निर्बाध रूप से विचरण करते हैं। गर्व का विषय है कि

- **प्रदेश में नए टाइगर रिजर्व विकसित किए जाएंगे**
- **मध्यप्रदेश अन्य राज्यों को भी उपलब्ध कराएगा टाइगर**
- **मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट सेवा, कर्तव्यनिष्ठा और साहस के लिए वनकर्मियों को किया सम्मानित**

प्रदेश में चीता परियोजना भी गतिशील है, जबकि संपूर्ण एशिया में कहीं चीता नहीं पाया जाता। पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को दृष्टिगत कर राज्य सरकार विभिन्न वन्य जीवों के सह अस्तित्व को प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रोत्साहित करती रहेगी। प्रदेश के जिन क्षेत्रों में टाइगर नहीं है वहां नए टाइगर रिजर्व विकसित किए जाएंगे। टाइगर राष्ट्रीय पशु है, सभी राज्यों में टाइगर के अस्तित्व के लिये मध्यप्रदेश अन्य राज्यों को भी टाइगर उपलब्ध कराएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

तीन पुस्तकों का विमोचन एवं तीन लघु फिल्मों का हुआ प्रदर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर लगी प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन विभाग की तीन पुस्तकों क्रमशः वॉलेंट्री विलेज रिलोकेशन : द सतपुड़ा मॉडल, पेंच टाइगर बिहेवियर एक्टिविटीज किट-3 और कान्हा की कहानियाँ का विमोचन किया। इस अवसर पर टाइगर वॉरियर्स, पेंच लेंड आफ टाइगर और गौर के पुर्नस्थापन पर केंद्रित लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन और वन्य प्राणियों के संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य के लिए वन कर्मियों और अधिकारियों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर वन मंत्री श्री रामनिवास रावत, वन राज्य मंत्री श्री दिलीप अहिरवार, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर विशेष रूप से उपस्थित थीं।

वन तथा वन्य-प्राणियों के संरक्षण के लिए जन-भागीदारी को प्रोत्साहित करना जरूरी

वन मंत्री श्री रामनिवास रावत ने कहा कि वन्य-प्राणियों का संरक्षण पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बनाए रखने में सहायक है। यह गर्व का विषय है कि मध्यप्रदेश पूरे देश में टाइगर स्टेट के रूप में विख्यात है। वन विभाग और सुदूर वन क्षेत्रों में कार्यरत वन अमले के सहयोग से ही वन तथा वन्य- जीवों का संरक्षण और संवर्धन हो रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मिशन लाइफ के आव्हान को सफल बनाने और जैव विविधता के संरक्षण के लिए वन्य जीवों की जीवन शैली के संबंध में शालेय स्तर पर जानकारी उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई। वन राज्य मंत्री श्री दिलीप अहिरवार ने कहा कि पारिस्थितिकी तंत्र और वन तथा वन्य-प्राणियों के संरक्षण के लिए चलाई जा रही गतिविधियों में जन-भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए भी वन विभाग विभिन्न गतिविधियां संचालित कर रहा है।

गांधी सागर क्षेत्र में चीतों को बसाने के लिए गतिविधियां जारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में चीता प्रोजेक्ट भी गतिशील है और गांधी सागर क्षेत्र में भी चीतों को बसाने के लिए गतिविधियां जारी हैं। उन्होंने कहा कि वन्य प्राणियों के संरक्षण और टाइगर रिजर्व के बेहतर प्रबंधन से पर्यटकों की संख्या में भी लगातार वृद्धि हो रही है। प्रदेश में 7 टाइगर रिजर्व विद्यमान हैं। वन से लगभग 60 करोड़ रूपए का राजस्व प्राप्त होता है और 25 लाख से अधिक पर्यटकों का प्रदेश में आवागमन है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में वन और वन्य-प्राणियों के संरक्षण के लिए जारी प्रयासों से पारिस्थितिकी तंत्र और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि काल के प्रवाह में विलुप्त प्राय वन्य प्राणियों के पुर्नस्थापना और सांपों की विभिन्न प्रजातियों के संरक्षण के लिए भी प्रयास आरंभ किया जाना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन तथा वन्य-प्राणियों के संरक्षण के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और वन कर्मचारियों को सम्मानित किया। इसमें वन अपराध अन्वेषण श्रेणी में इंदौर की उप वन संरक्षक श्रीमती अनुभा त्रिवेदी, पन्ना टाइगर रिजर्व के वन क्षेत्रपाल श्री हृदयेश हरि भार्गव, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के वन रक्षक श्री नंदकिशोर अहिरवार, सक्रिय वन्यप्राणी प्रबंधन क्षेत्र में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के सहायक महावत श्री नीलम सिंह, पन्ना टाइगर रिजर्व के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार गुप्ता, वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के वन संरक्षक श्री ताराचंद गौड़, पेंच टाइगर रिजर्व के वन पाल श्री मोहपत सिंह चौधरी, वन्य-प्राणी संरक्षण क्षेणी में सहायक वन संरक्षक श्री राजेश मंडावलिया, कान्हा टाइगर रिजर्व के उप वन क्षेत्रपाल श्री कुवर सिंह टेकाम और टाइगर स्ट्राइक फोर्स जबलपुर के वनरक्षक श्री राजेश मेहरा को सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन्य-प्राणी रेस्क्यू श्रेणी के अंतर्गत वनमंडल रायसेन के उप वनमंडलाधिकारी श्री सुधीर पटले तथा उनके दल के सर्वश्री प्रवेश पाटीदार, प्रभात यादव, प्रीतम सिंह जाटव, भजन शर्मा, लाल सिंह पूर्वी, सर्जन सिंह मीना, परसराम मालवीय, नीतेश यादव और शोएब खान को सम्मानित किया। इस श्रेणी में वन विहार राष्ट्रीय उद्यान के वनरक्षक श्री जसमन सिंह रघुवंशी को भी सम्मानित किया गया। वन्य-प्राणी रहवास श्रेणी में सतपुडा टाइगर रिजर्व के श्रमिक श्री शिवजी पिता श्री सुरजु, माधव राष्ट्रीय उद्यान के वनरक्षक श्री प्राणसिंह सोहरे, पर्यटन श्रेणी में वनमंडल देवास के सुरक्षा श्रमिक श्री जोगेन्द्र सिंह, कार्यवाहक वनपाल श्री गोपाल सिंह चौहान और वन विहार राष्ट्रीय उद्यान के वनरक्षक श्री रूप कुमार मेहर को सम्मानित किया गया। सहायक जिला अभियोजन अधिकारी छिंदवाड़ा श्री अभयदीप सिंह ठाकुर , वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन ट्रस्ट भोपाल के वन्यप्राणी विशेषज्ञ डॉ. प्रशांत देशमुख और पेंच टाइगर रिजर्व के सुरक्षा श्रमिक श्री मनोज सिंह धुर्वे भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा सम्मानित हुए।

सीएम बोले– चीतों को लेकर अफ्रीका से एग्रीमेंट हुआ

मंदसौर के गांधी सागर अभयारण्य में जल्द ही चीते छोड़े जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि केंद्र सरकार के निर्देश पर राज्य सरकार तेजी से काम कर रही है। सोमवार को टाइगर डे पर कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर सीएम ने कहा, गांधी सागर अभयारण्य में जैसे ही फेंसिंग पूरी हो जाएगी और चीतों के लिए भोजन का इंतजाम हो जाएगा तो इस पर काम तेज हो जाएगा। दक्षिण अफ्रीका से ट्राई पार्टी एग्रीमेंट हुआ है। सीएम ने कहा, अगर दूसरे राज्यों की ओर से बाघों की डिमांड की जाएगी तो सरकार इसके लिए भी काम करेगी।

मैनिट में बाइक से 'नो एंट्री', 6 घंटे से प्रदर्शन

भोपाल के मैनिट में जुटे कई छात्र; बोले– बाइक ले जाने की अनुमति मिले

भोपाल (नप्र)। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में बाइक से 'नो एंट्री' को लेकर स्टूडेंट्स नाराज हैं। इसे लेकर सोमवार सुबह 9 बजे उन्होंने सड़क पर उतरकर नाराजगी भी जाहिर की। दोपहर 3 बजे के बाद भी वे कैम्पस में डटे रहे। उनकी मांग है कि मैनिट के अंदर बाइक ले जाने की अनुमति दी जाए। ताकि, उन्हें कोई परेशानी न हो। इधर, मैनिट प्रबंधन ने छात्र-छात्राओं से चर्चा भी की है।

मैनिट प्रबंधन का कहना है कि करीब 3 महीने पहले कैम्पस को ग्रीन कैम्पस बनाने की कवायद शुरू हुई है। इसलिए कैम्पस के अंदर बाइक ले जाने पर रोक लगाई गई थी। कई छात्र तो साइकिल से आ रहे हैं। वहीं, इसी रविवार से कैम्पस में इलेक्ट्रिक बस भी चलाई गई है।

कैम्पस के बाहर निकलकर विरोध जताया– सोमवार सुबह 9 बजे कई स्टूडेंट्स कैम्पस के बाहर निकले और विरोध जताने लगे। उनका कहना था कि ज्यादातर छात्र बाहर शहरों के है। यहां किराए से रहते हैं। घर दूर है। कई बार बसों की कनेक्टिविटी नहीं मिल पाती। ऐसे में मैनिट आने में दिक्कतें हो रही हैं। इसलिए उन्हें बाइक लाने की अनुमति दी जाए। दोपहर 3 बजे प्रबंधन उनसे मिलने पहुंचा और बात की।

एबीवीपी ने सौंपा ज्ञापन, कहा- तत्काल रोक लगाना गलत– प्रदर्शन के दौरान एबीवीपी ने मैनिट प्रबंधन को ज्ञापन भी सौंपा। जिसमें छात्र-छात्राओं से जुड़ी मांगों को बताया गया। कहा कि क्लीन कैम्पस ग्रीन कैम्पस की ओर बढ़ना सही है, लेकिन तत्काल वाहन पर प्रतिबंध लगाया जाना गलत है। इससे छात्र-छात्राओं को परेशानी हो रही है। चार बस और कुछ साइकिलों से वे आना-जाना कर रहे हैं।

यह मांगें भी उठाई

- मैनिट में स्टूडेंट्स काउंसिल के चुनाव नहीं होने से छात्र-छात्राओं की आवाज का दमन है। इसलिए जल्द चुनाव कराए जाए।
- मेस में भोजन की गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए और मेस के संचालन में पारदर्शिता हो। नंबर-7 और 12 हॉस्टल में मेस का संचालन पुनः छात्राओं को दिया जाए।
- लाइब्रेरी, जिम, स्पोर्ट्स, मेडिकल में गुणवत्ता की आवश्यकता है। साथ ही समय की वृद्धि हो। जिससे छात्र पूर्ण रूप से लाभ उठा सके।
- हॉस्टल में वाटर कूलर में कीड़ों का पाया जाना, पानी की टंकियों की सफाई न होना, दीवारों से प्लास्टर झड़ना, वॉशरूम में सफाई नहीं होना और कतरों की दयनीय स्थिति है। इसलिए हॉस्टल का पुनः निर्माण किया जाना चाहिए।

नर्मदापुरम में किसानों ने हाईवे पर लगाया जाम, मूंग खरीदी बंद होने से नाराज

नर्मदापुरम (नप्र)। नर्मदापुरम में गुराड़िया कला के पास किसानों ने नर्मदापुरम-पिपरिया हाइवे पर चक्काजाम कर दिया। किसान वेयरहाउस खरीदी केंद्र पर मूंग खरीदी बंद होने से नाराज हो गए। हाइवे पर वाहनों की कतार लग गई है।

चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में दर्शन दिए बाबा महाकाल ने

सवारी में पहली बार पुलिस बैंड शामिल, आदिवासियों की टोली ने किया नृत्य

उज्जैन (नप्र)। 29 जुलाई को सावन का दूसरे सोमवार पर उज्जैन में शाम 4 बजे भगवान महाकाल की दूसरी सवारी निकली। इससे पहले पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने पत्नी समेत सभामंडप में सवारी का पूजन किया।

मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल के जवान पालकी में विराजमान भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर को सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दिया। इसके बाद पालकी में भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर के स्वरूप में और हाथी पर श्री मनमहेश के स्वरूप में प्रजा का हाल जानने निकले ।

सवारी में पहली बार 350 जवानों का विशेष पुलिस बैंड भी शामिल हुआ। डिंडौरी से बैगा समुदाय के आदिवासियों की टोली ने भी नृत्य किया। पहली सवारी में भगदड़ की स्थिति बनने के बाद कलेक्टर नीरज सिंह ने इस बार सवारी में डीजे पर बैन लगा दिया है।

ढाई लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किए महाकाल के दर्शन– इससे पहले, रविवार देर रात 1 बजे से ही भक्त महाकाल के दर्शन के लिए कतार में लगना शुरू हो गए थे। रात 2.30 बजे भस्म आरती के लिए मंदिर के पट खोले गए। भांग, चंदन, सूखे मेवों और आभूषणों से बाबा महाकाल का अर्धनारीश्वर स्वरूप दिव्य श्रृंगार किया गया।

सुबह करीब 9 बजे बारिश के बावजूद भक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ। भस्म आरती में क्रिकेटर उमेश यादव भी शामिल हुए। उन्होंने भी दर्शन कर बाबा का आशीर्वाद लिया। दोपहर 2 बजे तक करीब ढाई लाख भक्त दर्शन कर चुके थे। वहीं, 30 हजार से ज्यादा श्रद्धालु भस्म आरती में शामिल हुए।

सावन के पहले सोमवार को 5 लाख से अधिक भक्तों ने दर्शन किए थे, आज भी ऐसी ही संभावना है। रात 10.30 बजे तक दर्शनों का सिलसिला इसी तरह चलता रहा।

कांवड़ियों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, दो की मौत

10 घायल, इनमें तीन गंभीर, मुरैना में टैंकर ने टक्कर मारी, लोगों ने चक्काजाम किया

मुरैना (नप्र)। मुरैना में टैंकर की टक्कर के बाद कांवड़ियों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। ट्रॉली के नीचे दबने से दो कांवड़ियों की मौत हो गई। 10 कांवड़िए घायल हो गए। इनमें तीन गंभीर घायलों को ग्वालियर रेफर किया गया है। सभी लोग सोरों से कांवड़ भरकर ला रहे थे। हादसा सोमवार सुबह करीब 5:30 बजे देवरी क्षेत्र में हुआ। घटना से गुस्साए लोगों ने हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। करीब आधे घंटे तक वाहनों की कतार लगी रही। पुलिस की समझाइश के बाद मामला शांत हो सका।

कांवड़ के लिए सोरों गए थे 18 लोग– मुरैना के सिंहोनिया क्षेत्र में खड़ियाहार के पास गड़िया गांव के 18 लोग कांवड़ लाने के लिए सोरों गए थे। सभी लोग जल भर कर वापस लौट रहे थे। उनके साथी पैदल कांवड़ लेकर चल रहे थे, जबकि बाकी ट्रैक्टर-ट्रॉली में बैठे थे। इसी दौरान सोमवार सुबह करीब 5:30 बजे देवरी गांव के पास ग्वालियर की तरफ से आ रहे टैंकर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली में टक्कर मार दी।

इनकी मौत, तीन घायल ग्वालियर रेफर– छोटू (37) पुत्र भरतलाल और आशु (26) पुत्र रामनरेश शर्मा ट्रॉली के नीचे दब गए। इससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, 10 लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मुरैना जिला अस्पताल भिजवाया। यहां से तीन गंभीर घायलों को ग्वालियर रेफर किया गया है।

गुस्साए लोगों ने लगाया जाम– घटना के बाद मौके पर मौजूद कांवड़िए सड़क पर बैठ गए। उन्होंने जाम लगा दिया। उनके साथ आसपास के ग्रामीण आ गए। आधे घंटे में सड़क पर वाहनों की कतार लग गई। एएसपी अरविंद ठाकुर मौके पर पहुंचे। उन्होंने कांवड़ियों को समझाया, तब कहीं जाकर हालात सामान्य हो सके।